Guru Jambheshwar University of Science & technology Hisar.
In news In September 2016

ग्रांट | विज्ञान एवं तकनीकी विभाग से परस डीएसटी स्कीम के तहत गुजवि को मिली ग्रांट

गुजवि को रिसर्च के लिए मिले सवा दस करोड़

हरिभूमि न्यूज. हिसार

गुजवि को विज्ञान एवं तकनीकी विभाग की तरफ से 10.25 करोड़ रुपये की ग्रांट मिली है। यह ग्रांट परस डीएसटी की प्रोमोशन ऑफ यूनिवर्सिटी रिसर्च एंड साइंटिफिक एक्सिलैंस स्कीम के तहत दी गई है।

■ शोध एवं विकास के मामले में गुजवि देश के 29 अग्रणीय विवि में

योजना के तहत दस करोड़ रुपये से भी अधिक का अनुदान मिलने से विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक शोध एवं इस क्षेत्र में विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे उच्चस्तरीय कार्यों को श्रेष्ठ सम्मान मिला है।

परस डीएसटी योजना के तहत आने वाली परस योजना विश्वविद्यालयों में उच्चस्तरीय शोध को बढ़ावा देने वाला एक प्रोत्साहन अवार्ड है। यह किसी भी विश्वविद्यालय के गत

दस वर्षों के शैक्षणिक एवं उच्चस्तरीय शोध तथा सम्मानित जरनल्स में पब्लिकेशंस के आधार पर मिलता है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के विज्ञान एवं तकनीकी क्षेत्र ने हमें गौरवान्वित किया है। डीएसटी द्वारा विश्वविद्यालय के शोध व विकास के क्षेत्र में विश्वविद्यालय के योगदान को देखते हुए विश्वविद्यालय को देश के 29 अग्रणीय विश्वविद्यालयों में स्थान दिया है।

45.70 या इससे अधिक के एच. इंडैक्स मापदंड के आधार पर विश्वविद्यालय को परस योजना के तहत यह अनुदान मिला है। इस योजना के तहत मिले अनुदान को अगले चार वर्षों में खर्च किया जाएगा। निर्धारित मापदंडों के अनुसार विश्वविद्यालय में इस अनुदान से शोध के लिए उपकरण शोध से संबंधित अन्य आधारभूत ढांचा कार्यशाला व सेमीनार आदि करवाने के साथ साथ अन्य सभी संबंधित व जरूरत के कार्य किए जाएंगे।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने इसके लिए डा. एपीजे अब्दुल कलाम सैंट्रल इन्स्ट्रूमेंटेशन लेबोरेटरी के निदेशक तथा डीएसटी. परस योजना के समन्वयक प्रो. देवेंद्र कुमार तथा उनकी टीम के सदस्यों प्रो. नीरज दिलबागी प्रो. आशीष अग्रवाल व डा. मनीष आहुजा को बधाई दी है।

उन्होंने कहा है कि इस अनुदान से विश्वविद्यालय में शोध व शैक्षणिक व्यवस्थाओं में और अधिक इजाफा होगा तथा विश्वविद्यालय के एच. इंडैक्स में बढ़ोतरी होगी।

हरिभूमि 2/9/16

जीजेयू के दीक्षांत समारोह में डीन, डायरेक्टर और वीसी भी छात्रों संग कुर्ता-पायजामा में आएंगे नजर

कुछ पूर्व विद्यार्थियों को रास नहीं आया ड्रेस कोड, सोशल मीडिया पर निकाल रहे भड़ास तो कुछ ने कहा- सही है

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू में 22 सितंबर को आयोजित होने वाले चौथे दीक्षांत समारोह में परिधान को लेकर किए गए बदलाव में एक और नई पहल शुरू होगी। इसके तहत दीक्षांत समारोह में केवल विद्यार्थी ही कुर्ता पायजामे और सूट सलवार में नजर नहीं आएंगे बल्कि डीन, डायरेक्टर से लेकर वीसी तक सभी लोग कुर्ता पायजामा पहनकर कार्यक्रम में शामिल होंगे। महिला स्टाफ के लिए छात्राओं का और पुरुष अधिकारी व कर्मचारियों के लिए छात्रों का ड्रेस कोड लागू होगा। इसमें खास बात ये होगी कि विद्यार्थियों के अलावा सभी के लिए एक स्पेशल जैकेट बनवाने की भी तैयारी की जा रही है। हालांकि दीक्षांत समारोह में कुर्ता पायजामा और सूट सलवार न पहने वालों को पैंट शर्ट व साड़ी पहनने की भी छूट दी गई है, लेकिन माहौल के अनुरूप ज्यादा प्राथमिकता कुर्ते पायजामे को ही दी जा रही है। इसको लेकर कुछ आधुनिक विचारधारा के विद्यार्थियों ने इसका सोशल मीडिया पर विरोध भी किया है।

ये तय किया ड्रेस कोड

ड्रेस कोड में लाल बार्डर की सफेद साड़ी में हाफ बाजू सफेद ब्लाउज, ब्लैक शूज या सैंडल और लाल रंग के बार्डर के सफेद सूट-सलवार पहने जाने पर सफेद दुपट्टा और काले रंग के शूज या सैंडल पहनने होंगे। वहीं लड़कों के लिए कुर्ता पायजामा व पहने जाने पर काले शूज या सैंडल के साथ सफेद जुराब और सफेद पैंट फूल बाजू शर्ट के साथ ब्लैक बैल्ट और काले शूज या सैंडल के साथ सफेद जुराबों का ड्रेस कोड रखा गया है। वहीं गले में पहने जाने वाले पटके पर जीजेयू का लोगो होगा, जिसमें डॉक्टर की डिग्री लेने वाले मेहरून और गोल्डन लाइन, मास्टर डिग्री वाले ग्रीन और गोल्डन लाइन व बैचलर डिग्री वाले विद्यार्थी ग्रे- गोल्डन लोगो के पटके को गले में डालेंगे।

ड्रेस कोड पर विद्यार्थियों में दो मत

जीजेयू के दीक्षांत समारोह के लिए तय किए गए कुर्ते पायजामे, सूट सलवार, पैंट शर्ट और साड़ी के ड्रेस कोड को लेकर कुछ पूर्व विद्यार्थियों ने सोशल मीडिया के माध्यम से विरोध जाहिर किया है। विद्यार्थियों का कहना है कि दीक्षांत समारोह में डिग्रियां लेने के दौरान इस तरह के ड्रेस कोड शोभा नहीं देते। साथ ही डिग्रियां देने के लिए दीक्षांत समारोह में संत साधुओं को भी नहीं बुलाना चाहिए, पहले एचएयू में बाबा रामदेव और अब जीजेयू में श्री श्री रवि शंकर को बुलाकर डिग्री देना सही नहीं है। वहीं बहुत से पूर्व विद्यार्थी ऐसे भी हैं जो दोनों ही फैसलों को सही बता रहे हैं।

प्रतिक्रिया

स्वदेशी डिग्री लेने में गर्व तो कपड़े पहनने में शर्म कैसी

पूर्व विद्यार्थी रवि, संजीव, अनूप बिश्नोई, कमल सुथार का कहना है कि हम देश में पढ़ रहे हैं, यहीं की डिग्री भी दीक्षांत समारोह में ग्रहण करेंगे। जब स्वदेशी डिग्री लेने के दौरान हमें गर्व महसूस होता है तो स्वदेशी कपड़े पहनने में शर्म क्यों आ रही है। वहीं कुर्ता पायजामा या अन्य तरह की जो भी ड्रेस सुनिश्चित की गई है, उसे हर वर्ग का विद्यार्थी आसानी से खरीद सकता है, इसलिए इस फैसले का विरोध करना, गलत है।

विद्यार्थी ही नहीं हम भी अपनाएंगे

दीक्षांत समारोह के परिधान को लेकर किया गया बदलाव न केवल विद्यार्थियों पर लागू होगा बल्कि, हम सब भी इसे अपनाएंगे। स्वदेशी अपनाओ और खादी के आधार पर चलाए गए अभियान पर तो देश ने बहुत कुछ पाया है। अब एक नई पहल जीजेयू प्रशासन ने भी की है, जो ब्रिटिश परंपरा से भिन्न है। सफेद रंग की वेशभूषा उम्मीद है सबको भाएगी, वैसे भी इंसान के व्यक्तित्व की खूबसूरती तो उसके व्यवहार से बढ़ती है, कपड़ों से नहीं।
प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, जीजेयू।

दैनिक भास्कर 2/9/16

विद्यार्थियों को मिलेगी प्रिंटिंग की एडवांस प्रैक्टिकल नॉलेज

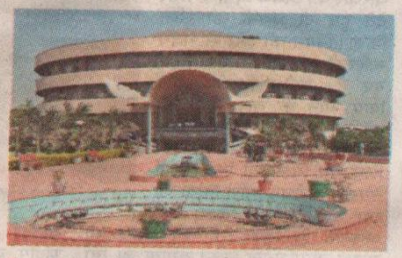

- जीजेयू के प्रिंटिंग विभाग में पहुंची 50 लाख कीमत वाली सीटीपी मशीन वर्ल्ड बैंक ने दिया था फंड
- प्रिंटिंग विभाग को मिली अब तक की सबसे अत्याधुनिक मशीन

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। जीजेयू के प्रिंटिंग विभाग के छात्र अब इंडस्ट्री में होने वाले प्रिंटिंग कार्य की प्रैक्टिकल अपने विभाग में ही कर सकेंगे। वो भी इंडस्ट्री में इस्तेमाल होने वाली अत्याधुनिक मशीन पर। विभाग को अब तक की सबसे अत्याधुनिक मशीन सीटीपी मिल गई है।

वीरवार सुबह ही विभाग में पहुंची इस मशीन की कीमत करीब 50 लाख रुपये है। मशीन के लिए फंड वर्ल्ड बैंक द्वारा दिया गया था। बैंक की यह शर्त थी कि जो भी मशीन लाई जाए वह अत्याधुनिक तकनीक की होगी, जिसके बाद यह मशीन विश्वविद्यालय को मिली।

क्या है मशीन

मशीन का पूरा नाम है (सीटीपी) कंप्यूटर टू प्लेट। यह मशीन प्रिंटिंग प्रेस में छपाई के लिए इस्तेमाल होती है। इस मशीन से प्लेट मेकिंग कार्य को सीधे कंप्यूटर से जोड़ दिया जाता है, जिससे काफी समय की बचत होती है। इसके साथ ही कार्य की गति व गुणवत्ता भी बढ़ जाती है।

वर्तमान में अधिकांश प्रिंटिंग प्रेस इसी मशीन का इस्तेमाल कर रही है। इंडस्ट्री में इस्तेमाल होने वाली यह अब तक की सबसे अत्याधुनिक मशीन मानी जाती है। माना जा रहा है कि प्रिंटिंग के शिक्षा क्षेत्र में किसी विभाग में सीटीपी लगाए जाने का संभवतः पहला मामला है।

ये होंगे फायदे

इस मशीन के आने से विद्यार्थियों को वो प्रैक्टिकल ट्रेनिंग मिलेगी, जिसकी प्रिंटिंग इंडस्ट्री में डिमांड है या जिस तकनीक पर इंडस्ट्री फिलहाल चल रही है। विद्यार्थी जब इंडस्ट्री में जाएंगे तो उन्हें पहले से पता होगा कि उन्हें क्या करना है या इस मशीन को कैसे हैंडल करना है। यानी एडवांस प्रैक्टिकल के कारण विद्यार्थियों की प्लेसमेंट में बढ़ोतरी होगी। हालांकि जीजेयू के इस विभाग का विद्यार्थियों की प्लेसमेंट के क्षेत्र में एक बड़ा नाम रहा है।

जीजेयू को मिला 10.25 करोड़ का अनुदान

हिसार। जीजेयू को केंद्र सरकार के विज्ञान एवं तकनीकी विभाग (डीएसटी) की प्रोमोशन ऑफ यूनिवर्सिटी रिसर्च एंड साइंटिफिक एक्सिलेंस स्कीम (परस) के तहत 10.25 करोड़ रुपये का अनुदान मिला है। परस डीएसटी योजना के तहत आने वाली परस योजना विश्वविद्यालयों में उच्चस्तरीय शोध को बढ़ावा देने वाला एक प्रोत्साहन अवॉर्ड है। यह किसी भी विश्वविद्यालय के गत दस वर्षों के शैक्षणिक, स्वतंत्र एवं उच्चस्तरीय शोध तथा सम्मानित जरनलस में पब्लिकेशंस के आधार पर मिलता है। विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के विज्ञान एवं तकनीकी क्षेत्र ने हमें गौरवान्वित किया है। डीएसटी द्वारा विवि के शोध व विकास के क्षेत्र में विवि के योगदान को देखते हुए विवि को देश के 29 अग्रणीय विश्वविद्यालयों में स्थान दिया है। 45-70 या इससे अधिक के एच इंडेक्स मापदंड के आधार पर विवि को परस योजना के तहत यह अनुदान मिला है। इस योजना के तहत मिले अनुदान को अगले चार वर्षों में खर्च किया जाएगा। निर्धारित मापदंडों के अनुसार विवि में इस अनुदान से शोध के लिए उपकरण, शोध से संबंधित अन्य आधारभूत ढांचा, कार्यशाला व सेमिनार आदि करवाने के साथ-साथ अन्य सभी संबंधित व जरूरत के कार्य किए जाएंगे।

> काफी प्रयास के बाद ये मशीन आई है। हालांकि पहले भी मशीनें विभाग में हैं। लेकिन वह तकनीक पुरानी हो गई है। विद्यार्थियों को इंडस्ट्री में जाकर लंबे समय तक अनुभव लेना पड़ता था। इसके बाद मशीन तक पहुंचने दिया जाता था। लेकिन अब विद्यार्थी इस तरह का अनुभव विभाग में ही ले सकेंगे। प्रैक्टिकल में आसानी होगी और उनमें आत्मविश्वास जगेगा। जल्द ही मशीन को स्थापित कर दिया जाएगा।
> - डॉ. अंबरीश पांडे, चेयरमैन, प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी विभाग, जीजेयू हिसार

अमर उजाला 2/9/16

सुविधा नए हॉस्टल में सोमवार से मिलेगा स्टूडेंट्स को प्रवेश, साफ-सफाई का रखा जाएगा खास ध्यान, मैस में मशीन गूथेगी आटा और मशीन से ही बनेगी रोटियां

जीजेयू के हॉस्टल-4 में स्टूडेंट्स को मिलेंगी होटल जैसी सुविधाएं

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू में तैयार ब्वायज हॉस्टल नंबर 4 में कई खूबियां हैं। हॉस्टल में ही स्टडिंग हॉल बनाया गया है। इसमें बैठकर स्टूडेंट्स पढ़ाई कर सकेंगे। लाइब्रेरी की तरह ही कुछ बुक आदि की व्यवस्था भी जीजेयू प्रशासन करवा सकता है। हॉस्टल में होटल जैसी सुविधाएं स्टूडेंट्स को मिलेंगी। बिजली-पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं के अलावा वाईफाई की भी सुविधा है। सोमवार से ही काउंसलिंग कर विद्यार्थियों को हॉस्टल में प्रवेश की अनुमति दे दी जाएगी। हॉस्टल में फिलहाल पीजी कोर्स के छात्रों को ठहराया जाएगा। हॉस्टल-4 में 120 कमरे हैं। यहां 360 छात्र रह सकेंगे।

स्टडी रूम बनाए जाने से ये होगा फायदा

जीजेयू में परीक्षाओं के दिनों में लाइब्रेरी में भीड़ ज्यादा रहती है। कई छात्रों को बैठने के लिए भी जगह नहीं मिल पाती है। ऐसे में सबसे बड़े हॉस्टल में स्टडी रूम बनाने से हॉस्टल के स्टूडेंट्स को फायदा होगा। वहीं छात्रों का लाइब्रेरी तक आने-जाने का समय भी बचेगा। इसके अलावा दो कॉमन रूम बनाए गए हैं, जिनमें बड़ी एलईडी टीवी लगाए जाएंगे। साथ फ्रिज व आरओ युक्त वाटर कूलर की सुविधा भी होगी।

हाइजेनिक किचन बनाने का काम शुरू

हॉस्टल-4 की किचन भी हाइली हाइजेनिक होगी। मैस में खाना बनाने से लेकर इसे परोसने तक का काम अत्यधिक साफ-सफाई के साथ होगा। आटा गूथने, चपाती बनाने और बर्तन साफ करने का काम मशीन से ही किया जाएगा। इससे साफ सफाई भी रहेगी तो साथ ही खाना भी गुणवत्ता के साथ मिल सकेगा। हाथ धोने के लिए बनाया जाना वाला वाशरूम में भी बेहतर तरीके से बनाया जाएगा

सोमवार से ओपन होने वाला सुविधाओं से परिपूर्ण हॉस्टल-4

गर्ल्स हॉस्टल का उद्घाटन 5 को होगा

जीजेयू में लड़कियों के छात्रावास नंबर-4 के अमृतादेवी भवन की फेज-दो इमारत का उद्घाटन 5 सितम्बर को प्रदेश के वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु करेंगे। वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि वित्तमंत्री शिक्षण खंड-8 व कंप्यूटर सेंटर का शिलान्यास करेंगे।

हॉस्टल अलॉट करने की मांग, सौंपा ज्ञापन

जीजेयू में नए ब्वायज व गर्ल्स हॉस्टल बने होने के बावजूद ये हॉस्टल स्टूडेंट्स को अलॉट नहीं किए जा रहे हैं। इस समस्या को लेकर जीजेयू इनसो की ओर से प्रधान हरिन्द्र बेनीवाल के नेतृत्व में रजिस्ट्रार को ज्ञापन सौंपा गया और समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान कराने की मांग की। रजिस्ट्रार ने स्टूडेंट्स को आश्वासन दिया है कि वे आगामी दो तीन दिनों में इस समस्या का समाधान कर देंगे।

हॉस्टल-4 होगा अपने आप में खास

हॉस्टल-4 में साफ सुथरे कमरे, स्टडी रूम, कॉमन रूम, हाइजेनिक किचन बनाने के काम को वॉट मिलने के साथ साथ विस्तारित किया जाता रहेगा। बीएच-2 रिसर्च बेस हॉस्टल बन सकेगा।
प्रो. एससी कुंडू, चीफ वार्डन, ब्वायज हॉस्टल, जीजेयू।

दैनिक भास्कर - 3/9/16

दीक्षांत समारोह में पेंट-शर्ट भी चलेगी

हरिभूमि न्यूज. हिसार

गुजवि के चौथे दीक्षांत समारोह में विद्यार्थी पायजामा कुर्ता के अलावा सफेद पेंट-शर्ट भी पहन सकते हैं। लड़कियां भी सफेद सलवार-कमीज

- दीक्षांत समारोह में गुजवि प्रशासन ने बदले नियम
- लड़कियां भी सलवार कमीज के अलावा पहन सकती हैं साड़ी

के अलावा साड़ी पहनकर डिग्री ले सकेंगी। विवि ने इस सदंर्भ में स्थिति को स्पष्ट किया है। दीक्षांत समारोह में कुर्ता-पायजामा को लेकर सोशल साइटस पर हो रहे विरोध व कमेंटस को देखते हुए विवि की तरफ से भी फेसबुक पर अब लेटर डालकर भी इसकी सूचना दी गई है। बीते कुछ दिनों से तकनीकी विवि के दीक्षांत समारोह में कुर्ता पायजामा को लेकर कुछ विद्यार्थियों की तरफ से विरोध किया जा रहा था। विवि ने कुछ विभागों में पुराने ड्रेस कोड के आधार पर भी लेटर लगा दिए। जिसमें कुर्ता पायजामा का जिक्र नहीं था। ऐसे में विद्यार्थी असमंजस की स्थिति में थे।

विवि प्रशासन का कहना है कि दीक्षांत समारोह में विद्यार्थी कुर्ता पायजामा के अलावा सफेद पेंट शर्ट में भी आ सकते हैं। इसके अलावा लड़कियां भी साड़ी या सलवार कमीज में डिग्री ले सकती हैं।

यह होगा ड्रेस कोड

लड़के- सफेद शर्ट फूल बाजू, सफेद पेंट, बेल्ट, काले जूते-सफेद जुराब के साथ। या फिर सफेद कुर्ता-पायजामा, काले जूते-सफेद जुराब के साथ या सैंडल्स।

लड़कियां- सफेद साड़ी लाल बॉर्डर के साथ, सफेद ब्लाउज आधी बाजू के साथ, काले जूते या सैंडल्स। या फिर सफेद कमीज-सलवार लाल बॉर्डर के साथ, सफेद दुपट्टा, काले जूते या सैंडल्स।

पेंट-शर्ट में आ सकते हैं

दीक्षांत समारोह में लड़के कुर्ता पायजामा या सफेद पेंट शर्ट में आ सकते हैं। लड़कियां भी सफेद साड़ी या सलवार-कमीज पहनकर डिग्री ले सकती हैं। सफेद पेंट-शर्ट और साड़ी का ड्रेस कोड तो पहले से ही चलता रहा है।

-डा. कुलदीप बंसल
सीओई एवं कोन्वोकेशन इंचार्ज, गुजवि

हरिभूमि - 5/9/16

टीचर्स-डे पर जीजेयू को टीचिंग ब्लॉक और हॉस्टल का तोहफा

हरिभूमि न्यूज. हिसार

शिक्षक दिवस के मौके पर गुजवि में टीचिंग ब्लॉक-8 और कंप्यूटर सेंटर के नए भवन का शिलान्यास वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु करेंगे।

- वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु करेंगे टीचिंग ब्लॉक और कंप्यूटर सेंटर के भवनों का शिलान्यास

वित्त मंत्री 5 सितंबर को ही लड़कियों के छात्रावास नंबर-4 के अमृतादेवी भवन की फेज-दो इमारत का उद्घाटन भी करेंगे। विवि में गर्ल्स हॉस्टल की मांग लंबे समय से चल रही थी। इसके चलते हॉस्टल की नई ईमारत तैयार की गई है। इसी सत्र से ही विवि में ब्वॉयज हॉस्टल के नए भवन को भी आरंभ किया जा रहा है। गर्ल्स हॉस्टल की एक और बिल्डिंग बनने के बाद अब छात्राओं के समक्ष कमरों की कमी नहीं आएगी। विवि में टीचिंग ब्लॉक-8 का भी निर्माण किया जा रहा है।

इसी सत्र से ही विवि में कुछ नए कोर्स भी आरंभ किए गए हैं। जिनमें फिजिक्स, कैमेस्ट्री और मैथ में डयूल डिग्री एमएससी कोर्स आरंभ हुए हैं। इस तरह विवि में नए शैक्षणिक खंड की भी जरुरत बढ़ गई थी। जिसको देखते हुए विवि में नया शैक्षणिक खंड बनाया जा रहा है। कंप्यूटर सेंटर का निर्माण भी किया जाना है। यह सेंटर लाइब्रेरी और बायो नैनो बिल्डिंग के बीच में बनाया जाएगा। जिसमें कंप्यूटर लैब बनाई जाएंगी। विवि में होने वाले ऑनलाइन एग्जाम आदि यहां करवाए जाने की सुविधा भी रहेंगी।

गुगल सवालों के जवाब दे सकता है संवेदनाएं नहीं : जावा

हरिभूमि न्यूज. हिसार

गुगल गुरु आपके प्रश्नों के उत्तर तो दे सकता है लेकिन आपको प्यार व संवेदनाएं नहीं दे सकता। यह बात गुजवि में ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के सौजन्य से 'लीडरशिप एवं एडसोकेसी' विषय पर कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता राजीव गांधी नेशनल इन्स्टीटयूट ऑफ यूथ डिवेल्पमैंट रीजनल सेंटर चंडीगढ़ के निदेशक स्टेंजन जावा ने कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की।

स्टेंजन जावा ने कहा कि अध्यापक वास्तव में राष्ट्र का निर्माता होता है। वह इमारतें और मशीनें नहीं बनाता, बल्कि वह मानव का निर्माण करता है। ईमारतें और मशीनें अगर विध्वंश हो जाएं तो वे फिर से बन सकती हैं, लेकिन मानव में मानवीय गुणों का अभाव हो जाए तो विध्वंश यादा हो सकता है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि लीडर बनने के लिए यह जरूरी है कि कड़ी मेहनत की जाए तथा सकारात्मक सोच रखी जाए। सपना वही पूरा होता है जो खुली आखों से देखा जाता है। अच्छे लीडर के लिए जरूरी है कि वो खुद के प्रति विश्वास पैदा करे और दूसरों पर विश्वास करे।

हिसार। स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

हरिभूमि - 6/9/16

दुनिया के टॉप 100 विश्वविद्यालयों में पहचान बनाएगा गुजवि

हिसार, 5 सितम्बर (का.प्र.): गुजवि दुनिया के टॉप 100 विश्वविद्यालयों में पहचान अवश्य बनाएगा। इस संकल्प पर आज गणेश चतुर्थी व शिक्षक दिवस के शुभावसर पर विवि कुलपति सहित सभी शिक्षकों को कार्य करना होगा। यह बात वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने सोमवार को गुजवि लड़कियों के छात्रावास नम्बर-4 (अमृतादेवी भवन फेज-2) के उद्घाटन के उपरांत कही। उन्होंने यूनिवर्सिटी कंप्यूटर एंड इन्फॉर्मेटिक्स सैंटर व शिक्षण खंड नम्बर 8 के फेज-1 की आधारशिला भी रखी। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड के स्कूल ऑफ बिजनेस में डीन सहित 50 प्रतिशत टीचिंग स्टॉफ अकेले भारत का था। पढ़ाई के विषय में भारत व चीन का आपस में मुकाबला है। इसके अलावा विश्व के नासा की बात हो या कंप्यूटर के गूगल माइक्रोसॉफ्ट और इनेलाइन हो या कानून का विषय हो भारतवासी डोनेट कर रहे हैं। परन्तु शैक्षणिक संस्थागत तौर पर दुनिया के टॉप 100 संस्थानों में भारत का कहीं नाम नहीं है। इसके लिए हमें संकल्प करने की आवश्यकता है। भारत योग के क्षेत्र में विश्व गुरु बनकर अपनी पहचान बना चुका है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कैप्टन अभिमन्यु का स्वागत करते हुए कहा कि भारत का विवि है जहां कम्प्यूटर इन्फॉर्मेटिक्स सैंटर बनेगा। मंच संचालन व स्वागत भाषण जनसम्पर्क अधिकारी बिजेन्द्र दहिया ने किया। कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर सहित चीफ वार्डन प्रो. एस.सी. कुंडू, चीफ वार्डन प्रो. सोनिका, अधीक्षक अभियन्ता अशोक अहलावत तथा विभिन्न संकायों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी भारी संख्या में उपस्थित थे।

उद्घाटन करते वित्तमंत्री, साथ हैं प्रो. टंकेश्वर कुमार एवं अन्य।

पंजाब केसरी हिसार-6/9/16

जीजेयू में 4.5 करोड़ की लागत से बने गर्ल्स हॉस्टल-4 का वित्तमंत्री ने किया उद्घाटन

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू में वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने सोमवार को लड़कियों के छात्रावास नंबर-4 (अमृतादेवी भवन फेज-2) के उद्घाटन किया। साथ ही यूनिवर्सिटी कंप्यूटर एंड इंफोर्मेटिक्स सेंटर व शिक्षण खण्ड नंबर 8 के फेज-1 की आधारशिला भी रखी। उन्होंने अपनी इंग्लैंड में शिक्षा प्राप्त करने के दौरान की चर्चा करते हुए कहा कि इंग्लैंड के स्कूल ऑफ बिजनेस में डीन सहित 50 प्रतिशत टीचिंग स्टॉफ अकेले भारत का था। विद्यार्थियों में पढ़ाई के विषय में भारत व चीन का आपस में मुकाबला है। मगर शैक्षणिक संस्थागत तौर पर दुनिया के टॉप 100 संस्थानों में भारत का कहीं नाम नहीं है। इसके लिए हमें संकल्प करने की आवश्यकता है।

वित्तमंत्री ने कहा कि गणेश चतुर्थी का त्यौहार किसी भी शुभ कार्य करने के लिए सहज व श्रेष्ठ माना गया है और साथ ही शिक्षक दिवस होने पर आज इस दिन का और भी महत्व बढ़ गया है। पीआरओ बिजेंद्र दहिया ने कहा कि हॉस्टल 443 लाख की लागत से बनाया गया है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर, प्रो. एससी कुंडू, प्रो. सोनिका, अशोक अहलावत मौजूद रहे।

जीजेयू में गर्ल्स हॉस्टल नंबर-4 (अमृता देवी भवन फेज-2) का उद्घाटन करते वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु।

दैनिक भास्कर - 6/9/16

शिक्षक दिवस के मौके पर बोले वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु

गुजवि बनाएगा विश्व की 100 यूनिवर्सिटी में स्थान

लड़कियों के छात्रावास का किया उद्घाटन, विवि कंप्यूटर सेंटर और टीचिंग ब्लॉक के भवन का किया शिलान्यास

हरिभूमि न्यूज. हिसार

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय दुनिया के टॉप 100 विश्वविद्यालयों में अपनी पहचान अवश्य बनाएगा। इस संकल्प पर आज गणेश चतुर्थी व शिक्षक दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति सहित सभी शिक्षकों को कार्य करना होगा। यह बात वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने सोमवार को गुजवि में लड़कियों के छात्रावास नंबर-4 अमृतादेवी भवन के उद्घाटन के उपरांत कही। वित्तमंत्री ने विवि के यूनिसर्विटी कंप्यूटर एंड इन्फोमेर्टिक्स सेंटर व शिक्षण खंड नंबर 8 के फेज-1 की आधारशिला भी रखी। उन्होंने कहा कि जब वे इंग्लैंड में स्टडी कर रहे थे तो इंग्लैंड के स्कूल ऑफ बिजनेस में डीन सहित 50 प्रतिशत टीचिंग स्टॉफ अकेले भारत का था। विद्यार्थियों में पढ़ाई के विषय में भारत व चीन का आपस में मुकाबला है। विश्व के नासा की बात हो या कंप्यूटर के गूगल माइक्रोसॉफ्ट और इनेलाइन हो या कानून का विषय हो भारतवासी डोनेट कर रहे हैं। इसके बावजूद शैक्षणिक संस्थागत तौर पर दुनियां के टॉप 100 संस्थानों में भारत का कहीं नाम नहीं है। इसके लिए हमें संकल्प करने की आवश्यकता है। भारत योग के क्षेत्र में विश्वगुरू बनकर अपनी पहचान बना चुका है। शैक्षणिक संस्थानों में भी हमें विश्व में पहचान बनाने की जरूरत है।

कैप्टन अभिमन्यु ने पूर्व छात्र होने का फर्ज निभाया

गुजवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि भारत का पहला विश्वविद्यालय में कंप्यूटर इन्फोमेर्टिक्स सेंटर बनेगा। वित्तमंत्री के नाते कैप्टन अभिमन्यु विश्वविद्यालय के लिए 35 करोड़ रुपये का बजट विधानसभा में पास करवाकर विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र होने का प्रमाण दिया है।

गुजवि में शिक्षण खंड नंबर 8 के फेज-1 का शिलान्यास करते वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु।

शिक्षक दिवस पर गुरु से बात जरूर होती है

वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि गणेश चतुर्थी का त्यौहार किसी भी शुभ कार्य करने के लिए सहज व श्रेष्ठ माना गया है और साथ ही शिक्षक दिवस होने पर आज इस दिन का और भी महत्व बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि शिक्षक दिवस पर वे व्यक्तिगत तौर पर या दूरभाष के माध्यम से अपने गुरुओं को अवश्य याद करते हैं। उन्होंने कहा कि विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के चरण छूकर यह शिक्षक दिवस मनाता हूं।

443 लाख रुपये की लागत से बना है अमृतादेवी भवन

गुजवि में नवनिर्मित लड़कियों का छात्रावास अमृतादेवी भवन 443 लाख रुपये की लागत से तैयार हुआ है। इस चार मंजिला भवन में 120 विद्यार्थियों को आवास सुविधा मिलेगी।

यह भवन आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। कंप्यूटर एंड इन्फोमेंटिक्स सेंटर पर 558 लाख रुपये की लागत आएगी। शिक्षण खंड-8 पर 866 लाख रूपये की लागत आएगी।

ये रहे उपस्थित

इस मौके पर गुजवि कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर, चीफ वार्डन प्रो. एससी कुंडू, चीफ वार्डन प्रो. सोनिका, अधीक्षक अभियंता अशोक अहलावत, जनसंपर्क अधिकारी बिजेंद्र दहिया आदि उपस्थित थे।

हरिभूमि - 6/9/16

अब गुजवि तैयार करेगा महिला खिलाड़ी

जागरण संवाददाता, हिसार : महिला खिलाड़ी तैयार करने में जहां सरकार स्पोर्ट्स सेंटरों को बढ़ावा देने में लगी हुई है, वहीं तकनीकी विश्वविद्यालयों ने भी देश के लिए मेडल लाने वाले खिलाड़ियों की फौज तैयार करने की ठान ली है। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में भी कुश्ती से लेकर बॉक्सिंग तक की महिला खिलाड़ी होगी।

इसके लिए जल्द ही महिला कोच अथवा असिस्टेंट महिला डायरेक्टर खेल का चयन गुजवि प्रशासन करने की तैयारी कर रहा है। जानकारी के अनुसार आठ सितंबर को होने वाली बैठक में असिस्टेंट महिला डायरेक्टर का चयन हो सकता है। जिसके बाद महिला खिलाड़ियों को तैयार किया जाएगा।

हालांकि महिला खिलाड़ी अब भी विभिन्न स्पोर्ट्स में भाग ले रही हैं मगर असिस्टेंट महिला डायरेक्टर के आने के बाद खिलाड़ियों को स्पेशल ट्रेनिंग दी जाएगी।

मौजूदा समय में इन डोर व आउट डोर खेलों की सुविधा विश्वविद्यालय के स्पोर्टस विभाग में है। मुख्य रूप से बैडमिंटन , टेबल टेनिस , तीर अंदाजी, फुटबाल, बासकेट बॉल , हैंडबॉल आदि खेलों की सुविधा है।

कुश्ती को मिलेगा बढ़ावा

असिस्टेंट महिला डायरेक्टर आने के बाद कई खेलों को बढ़ावा दिया जाएगा। इनमें प्रमुख रूप से कुश्ती, बॉक्सिंग, जूडो आदि खेलों को जगह मिल पाएगी। इसी वजह मौजूदा समय में कुश्ती व बॉक्सिंग की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मांग भी बहुत तेजी से बढ़ रही है। असिस्टेंट महिला डायरेक्टर आने से छात्रों को इन खेलों को अपनाने में किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

स्वीमिंग पूल बनाने की है तैयारी

गुजवि प्रशासन की ओर से खेलों को बढ़ावा देने के लिए स्वीमिंग पूल का भी निर्माण किया जाएगा। इस स्वीमिंग पूल को लेकर विवि प्रशासन ने टेंडर जारी कर दिया है। जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है।

महिला खेलों को बढ़ावा देने को लेकर विवि प्रशासन विशेष ध्यान दे रहा है। उम्मीद है कि जल्द ही विवि प्रशासन की ओर से महिला कोच या असिस्टेंट महिला डायरेक्टर लगाया जाएगा।

प्रो. एसबी लूथरा , स्पोर्ट्स अधिकारी।

दैनिक जागरण - 6/9/16

फेस्टिवल | गुजवि में हरियाणा फिल्म फेस्टिवल का आगाज आज, महोत्सव के पहले सत्र में आईजी ओपी सिंह होंगे मुख्य अतिथि

'लाडो' से होगी फेस्टिवल की शुरुआत

भूमि न्यूज. हिसार

रियाणा के पहले रैंकर्स लीग हरियाणा रनेशनल फिल्म फेस्टिवल की शुरुआत 8 तंबर को होगी। फेस्टिवल की शुरुआत श्विनी चौधरी द्वारा निर्देशित हरियाणवी फिल्म डो से होगी। लाडो हरियाणा की पहली फिल्म जिसे राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था। फिल्म त्सव की शुरुआत 11 बजे गुरु जंभेश्वर वविद्यालय के चौधरी रणबीर सिंह सभागार गी। महोत्सव के पहले दिन पहले सत्र में र रेंज के आईजी ओपी सिंह और फिल्म डो के निर्देशक अश्विनी चौधरी मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहेंगे। प्रसिद्ध कत्थक नृत्यांगना डा. राखी दूबे द्वारा इस अवसर पर कथक की प्रस्तुति दी जाएगी। लाडो के अलावा कल पहले सत्र में फिल्म अमृता एंड आई, बालुता, निषेधी, द फ्रंटमैन, गरगूर, वेग मेट विलियम और पीयूष मिश्रा अभिनीत फिल्म कथाकार दिखाई जाएगी।

हरियाणा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल टीम के मनीष जोशी और दिनेश गोयल ने बताया की दूसरे सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में हिसार के एडीसी विजय कुमार उपस्थित होंगे और सीएम की तरफ से हिसार में तैनात सुशासन सहयोगी मनीषा भाटोटिया विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित होगी। बृहस्पतिवार को ही तीसरे सत्र में फिल्मकार सुभाष कुंदरा मुख्य अतिथि होंगे। इस सत्र में हरियाणा की पहली फिल्म सुभाष कुंदरा की बीरा शेरा दिखाई जाएगी और इसके बाद हिन्दी फिल्म सांकल का प्रदर्शन होगा।

वेटनरी कॉलेज की टीम क्रिकेट के फाइनल में

हिसार। हकृवि के गिरि सैंटर में जारी अंतर महाविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता का पहला सेमिफाइनल मुकाबला पशुचिकित्सा महाविद्यालय तथा मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के बीच खेला गया। प्रतियोगिता में पशुचिकित्सा महाविद्यालय की टीम के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए 173 रनों के साथ अपना सेमिफाइनल मुकाबला जीत लिया। इस मैच में मौलिक विज्ञान महाविद्यालय के खिलाड़ी 8 ओवर में केवल 22 रन बना पाए और एक के बाद एक सभी खिलाड़ी आऊट होते गए। मैच में पशुचिकित्सा महाविद्यालय के खिलाड़ी देवेन्द्र ने 48 गेंदों पर 62 रनों का योगदान दिया। जबकि सचिन ने 4 ओवरों में 8 रन देकर 8 विकेट हासिल किए। प्रदर्शन के आधार पर सचिन को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया।

हरि भूमि 8/9/16

देशभक्तों के नाम से जानी जाएंगी गुजवि की बिल्डिंग

कुलपति की अध्यक्षता में गुजवि में कार्यकारी परिषद की हुई बैठक में कई महत्वपूर्ण एजेंडे किए गए पारित

दैनिक जागरण - 10/9/16

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की बिल्डिंग अब देश भक्तों के नाम पर जानी जाएंगी। विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद की 74वीं बैठक में इस पर मोहर लग गई है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बैठक की अध्यक्षता की। बैठक का संचालन विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने किया।

बैठक में कई महत्वपूर्ण एजेंडे पारित किए गए। विश्वविद्यालय की इमारतें राष्ट्रीय नायकों के नाम से जानी जाएंगी। विश्वविद्यालय के पुस्तकालय को अब डा. बीआर अम्बेडकर पुस्तकालय के नाम से जाना जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि प्रस्तावित स्टेडियम का नाम महाराणा प्रताप स्टेडियम होगा। वहीं फैकल्टी हाउस को लाला लाजपत राय भवन तथा वर्किंग वूमेन हॉस्टल को कल्पना चावला भवन के नाम से जाना जाएगा। विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन की इमारत का नाम सरदार पटेल प्रशासनिक भवन होगा। इसके अतिरिक्त लड़कों के छात्रावास नम्बर-1 का नाम जेसी बोस सदन, लड़कों के छात्रावास नम्बर 2 का नाम आर्यभट्ट सदन तथा लड़कों के छात्रावास नम्बर 3 का नाम शहीद मदनलाल ढींगड़ा सदन रखा गया है। स्वयं वित्त प्रणाली के तहत कार्यरत शिक्षकों को कंफर्म कर दिया गया है। वहीं ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट निदेशक व सहायक खेल निदेशक (महिला) की नियुक्तियों को हरी झंडी दी गई है।

बैठक में तकनीकी शिक्षा विभाग हरियाणा के वित्तायुक्त एवं प्रधान सचिव के प्रतिनिधि आजाद सिंह, एसए जैन महाविद्यालय, अंबाला सिटी के डा. प्रदीप शर्मा सनेही, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के बोटनी विभाग के प्रो. एसएन मिश्रा, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के केमिस्ट्री विभाग के प्रो. पवन कुमार, पूर्व डीन ऑफ कॉलेजिज प्रो. एमएम गोयल, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के प्रो. एसके तोमर, केसी अरोड़ा, गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज पन्नीवाला मोटा, सिरसा के डायरेक्टर-प्रिंसीपल डा. वजीर सिंह, विश्वविद्यालय के प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. मिलिन्द पारले, प्रो. वंदना कुमारी, प्रो. मनोज दयाल उपस्थित थे।

कार्यकारी परिषद की बैठक में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व मौजूद अन्य सदस्य।

अब विवि में होंगे पांच वर्किंग डे

- सेल्फ फाइनेंस स्कीम के प्राध्यापकों को मिला तोहफा
- फैसला आने के बाद विवि के प्राध्यापकों में खुशी की लहर

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों की नौ साल पुरानी मांग पूरी हो गई है। अब विश्वविद्यालय पांच दिन ही लगेगा। प्राध्यापकों में फैसला आने से खुशी की लहर दौड़ गई। वहीं सेल्फ फाइनेंस स्कीम में लगे प्राध्यापकों को भी तोहफा मिला है। उनको भी नौकरी पर पक्का कर दिया गया।

गुजवि की टीचर एसोसिएशन 2007 से फाइव डे विक करने की मांग कर रही थी। इसको लेकर धरने प्रदर्शन भी किए गए। विश्वविद्यालय प्रशासन ने उनकी मांग के बीच 2010 में गैर शिक्षकों का फाइव डे विक कर दिया था। प्राध्यापकों ने इस रोष प्रकट करते हुए उस समय दोबारा से उनकी मांग पूरी करने के लिए कहा था। प्रशासन ने उसके बाद कोई कदम नहीं उठाए थे।

गजुटा प्रधान अनिल भानखड़ इस पुरानी मांग को लेकर करीब चार माह पहले कुलपति से मिले थे। उनकी मांग पर एक कमेटी का गठन किया गया और उसकी रिपोर्ट शुक्रवार को ईसी की बैठक में रखी गई। रिपोर्ट आने के बाद बैठक में फाइव डे विक पर मोहर लग गई। प्राध्यापकों की पुरानी मांग पूरी होने पर सभी में खुशी का माहौल है। गजुटा प्रधान अनिल भानखड़ ने कुलपति का आभार भी प्रकट किया।

सेल्फ फाइनेंस के प्राध्यापक भी हुए पक्के

गुजवि प्रशासन ने सेल्फ फाइनेंस पर लगे प्राध्यापकों को भी तोहफा देते हुए उनकी नौकरी पक्की कर दी है। इन प्राध्यापकों ने भी भूख हड़ताल तक की थी। प्रशासन ने अब उनको भी पक्का करने का निर्णय लेते हुए आदेश जारी कर दिए गए हैं।

शाम 5.30 बजे तक विवि में रहेंगे प्रध्यापक

विश्वविद्यालय ने फाइव डे विक करने के साथ विवि का समय भी बढ़ा दिया है। प्राध्यापकों को अब साढ़े आठ से लेकर साढ़े पांच बजे तक विश्वविद्यालय में रहना पड़ेगा।

फाइव डे विक और सेल्फ फाइनेंस के प्राध्यापकों को पक्का कर दिया गया। विश्वविद्यालय अब एक घंटा ज्यादा लगेगा। कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद यह फैसले लिए गए है।

प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, गुजवि।

जीजेयू में अब राष्ट्रीय नायकों के नाम से होगी भवनों की पहचान

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू में कार्यकारी परिषद की 74वीं बैठक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक का संचालन विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने बताया विवि की इमारतें राष्ट्रीय नायकों के नाम से जानी जाएंगी। विश्वविद्यालय के पुस्तकालय को अब डॉ. बीआर आंबेडकर पुस्तकालय के नाम से जाना जाएगा। विश्वविद्यालय के प्रस्तावित स्टेडियम का नाम महाराणा प्रताप स्टेडियम होगा। जबकि फैकल्टी हाऊस को लाला लाजपत राय भवन तथा वर्किंग वुमन हॉस्टल को कल्पना चावला भवन के नाम से जाना जाएगा। विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन की इमारत का नाम सरदार पटेल प्रशासनिक भवन होगा। इसके अतिरिक्त लड़कों के छात्रावास -1 का नाम जेसी बोस सदन, लड़कों के छात्रावास-2 का नाम आर्यभट्ट सदन तथा लड़कों के छात्रावास-3 का नाम शहीद मदनलाल ढींगड़ा सदन रखा गया है।

स्वयं वित्त प्रणाली के तहत कार्यरत शिक्षकों को कन्फर्म कर दिया गया है। विश्वविद्यालय में कार्यरत क्लास-3 कर्मचारियों के बच्चों के लिए इस सत्र से विश्वविद्यालय के किसी भी कोर्स में दाखिले की फीस में 75 प्रतिशत छूट की मंजूरी दी गई है। चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के बच्चों के लिए 100 प्रतिशत छूट का प्रावधान पहले से ही है। बैठक में आजाद सिंह, डॉ. प्रदीप शर्मा सनेही, प्रो. एसएन मिश्रा, प्रो. पवन कुमार, प्रो. एमएम गोयल, प्रो. एसके तोमर, केसी अरोड़ा, डॉ. वजीर सिंह, प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. मिलिंद पारले, प्रो. (डॉ.) बंदना कुमारी, प्रो. मनोज दयाल, प्रो. नरसी राम बिश्नोई, डॉ. धर्मेंद्र कुमार और डॉ. सुनील कुमार उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर - 10/9/16

अम्बेदकर के नाम पर रखा पुस्तकालय का नाम

हिसार, 9 सितम्बर (का.प्र.): गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद की बैठक में निर्णय लिया गया है कि विश्वविद्यालय की इमारतें राष्ट्रीय नायकों के नाम से जानी जाएंगी। विश्वविद्यालय के पुस्तकालय का नाम अब डा. बी.आर. अम्बेदकर पुस्तकालय कर दिया गया है। इसी तरह विश्वविद्यालय के प्रस्तावित स्टेडियम का नाम महाराणा प्रताप स्टेडियम होगा जबकि फैकल्टी हाऊस को लाला लाजपत राय भवन तथा वर्किंग गर्ल्ज हॉस्टल को कल्पना चावला भवन के नाम से जाना जाएगा। विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन की इमारत का नाम सरदार पटेल प्रशासनिक भवन होगा। इसके अतिरिक्त लड़कों के छात्रावास नम्बर 1 का नाम जे.सी बोस सदन, लड़कों के छात्रावास नम्बर 2 का नाम आर्यभट्ट सदन तथा लड़कों के छात्रावास नम्बर 3 का नाम शहीद मदनलाल ढींगड़ा सदन रखा गया है। स्वयं वित्त प्रणाली के तहत कार्यरत

गुजवि में कार्यकारी परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व बैठक में मौजूद अन्य सदस्य।

शिक्षकों को कन्फर्म कर दिया गया है। विश्वविद्यालय में कार्यरत क्लास-3 कर्मचारियों के बच्चों के लिए इस सत्र से विश्वविद्यालय के किसी भी कोर्स में दाखिले की फीस में 75 प्रतिशत छूट की मंजूरी दी गई है।

पहले इन कर्मचारियों के बच्चों के लिए यह छूट 50 प्रतिशत थी। यह छूट हर कक्षा में इसी सत्र से लागू होगी। चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के बच्चों के लिए विश्वविद्यालय के कोर्सों में दाखिले की फीस में 100 प्रतिशत छूट का प्रावधान पहले से ही है। ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट निदेशक व सहायक खेल निदेशक (महिला) की नियुक्तियों को हरी झंडी दी गई है। बैठक में तकनीकी शिक्षा विभाग के वित्तायुक्त एवं प्रधान सचिव के प्रतिनिधि आजाद सिंह के अलावा विभिन्न विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

पंजाब केसरी हिसार - 10/9/16

शहर-ए-फिरोजा के युवाओं के दिल पर छाई 'सतरंगी'

फिल्म फेस्टिवल के तीसरे दिन रहा खास, वरिष्ठ फिल्म समीक्षक अजय ब्रह्मात्मज से छात्र रूबरू होंगे

जागरण संवाददाता, हिसार : हरियाणा फिल्म फेस्टिवल का तीसरा दिन सतरंगी फिल्म के नाम रहा। विभिन्न रंगों में रंगी इस फिल्मों को देखने के लिए ऑडिटोरियम पूरी तरह से भरा रहा। रविवार को विशेष रूप से हरियाणवी फिल्म सांझी समापन अवसर पर दिखाई गई। इस अवसर पर वरिष्ठ फिल्म समीक्षक अजय ब्रह्मात्मज से गुजवि के छात्र रूबरू होंगे और फिल्मों के बारे में जानेंगे। संस्कृति सोसायटी फॉर आर्ट एंड कल्चरल डेवलेपमेंट तथा 'गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान किए गए इन्टरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के तीसरे दिन विभिन्न सम-सामयिक विषयों पर बनी फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। तीसरे दिन के फेस्टिवल का शुभारंभ मानव इंस्टीट्यूट के निदेशक डा. सीपी गुप्ता और डा. सीमा गुप्ता ने मुख्य अतिथि के तौर पर किया। उन्होंने कहा कि फेस्टिवल के आयोजन का मौका हिसार को मिलना गौरव की बात है।

मुख्य अतिथि डा. गुप्ता का फिल्म कलाकार यशपाल शर्मा, नेशनल अवार्ड विजेता फिल्म पगड़ी के निर्देशक राजीव भाटिया, हरियाणवी फिल्मों के कलाकार राजू मान, फिल्म फेस्टिवल आयोजन कमेटी के अध्यक्ष धर्मेन्द्र डांगी, सचिव कमलजीत शर्मा और दिनेश गोयल ने स्वागत किया। दूसरे सत्र में मुख्य अतिथि के तौर पर युवा नेता गौतम सरदाना और तीसरे सत्र में डीएसपी जयपाल सिंह मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित हुए। इसके अलावा वरिष्ठ फिल्म समीक्षक अजय ब्रह्मात्मज, दादा साहब फाल्के अवार्ड विजेता फिल्म एक्ट्रस, राइटर व प्रोड्यूसर आरती नागपाल, रैंकर्स लीग के निदेशक विमल झा, वरिष्ठ अधिवक्ता ओपी. कोहली व एमजी क्लब के मैनेजर गगनद्वीप ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर भाग लिया।

सतरंगी की टीम स्टेज पर। जागरण

दर्शकों से रूबरू होतीं आरती नागपाल। जागरण

सतरंगी टीम ने ठुमके लगाए

फिल्म के निर्देशक संदीप शर्मा सहित यशपाल शर्मा, सचिन शौकीन, सुल्तान फिल्म में सलमान के पिता की भूमिका निभाने वाले नवीन ओह्लयान, आशिमा शर्मा, अमित जैरथ, हरियाणवी फिल्मों के अभिनेता राजू मान, अभिनेत्री सुमित्रा हुडा पडनेकर व सुनिता डावर भी उपस्थित रही। सतरंगी फिल्म की टीम दर्शकों के साथ रूबरू हुई और उनसे बातचीत की। इस मौके पर हरियाणवी फिल्म सतरंगी की टीम भी पहुंची। अर्चना सुहासिनी ने सतरंगी फिल्म के लिए विशेष रूप से लिखे हरियाणवी गीत को प्रस्तुत किया। जिस पर सतरंगी की टीम के सदस्यों ने ठुमके भी लगाये। रानी लक्ष्मी बाई कॉलेज की सैकड़ों छात्राएं विशेष रूप से फेस्टिवल में भाग लेने के लिए पहुंची। मंच का कुशल संचालन अर्चना सुहासिनी, अल्पना सुहासिनी और विशाल जिंदल ने किया।

फिल्मों की कहानियों में सोशल मुददे अहम होते है

दादा साहेब फाल्के अवार्ड विजेता एक्ट्रस व राइटर और प्रोडयूसर आरती नागपाल ने कहा कि फिल्मों को लेकर लोगों की सोच में बदलाव आ रहा है। वक्त होना जरूरी होता है और यही वजह है कि अलग अलग सामाजिक मुद्दों पर फिल्में बनने लगी है। लीक से हटकर कुछ लिखना पड़ता है। जिसे दर्शक देखना चाहते है। उन्होंने कहा कि ये फिल्म फेस्टिवल बिल्कुल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किया गया है। ये एक काफी अच्छी शुरुआत है। भारत में फिल्म फेस्टिवल का चलन बढ़ रहा है और ये जरूरी भी है। नई प्रतिभाओं को मौका देने के लिए ऐसे फेस्टिवल का आयोजन बहुत जरूरी है।

फेस्टिवल का आनंद लेती छात्राएं। जागरण

तीसरे दिन दिखाई गई ये फिल्में

धर्मेन्द्र डांगी ने बताया कि आसिफ खान की बंगाली फिल्म दी पोस्टर के साथ तीसरे दिन के फेस्टिवल की शुरुआत हुई। इसके बाद शार्ट फिल्मों के वर्ग में आरती नागपाल की आई फोट आई सर्वाइवड, अली राणा की हिंदी फिल्म मोक्ष, सौरभ बाली की हिन्दी फिल्म मानव, समन हौस्सैनपोर की पर्सियन फिल्म फिश व जैनिफर अलफांसो की अंग्रेजी फिल्म दी टेक ऑवर का प्रदर्शन किया गया। राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त मोक्ष में यशपाल शर्मा ने मुख्य किरदार निभाया है। फीचर फिल्मों के वर्ग में अमैया पटनायक की उडिया फिल्म तुलसी आपा, राजन कोठारी व दयाल निहलानी की हिंदी फिल्म दस कैपिटल, संदीप शर्मा की हरियाणवी फिल्म सतरंगी और सुमन गांगुली की हिंदी फिल्म ब्लू माउंटेन का प्रदर्शन हुआ।

एक्टर यशपाल शर्मा, निर्देशक संदीप शर्मा और मुख्य अतिथि डा. सी.पी. गुप्ता फेस्टिवल के दौरान फिल्म देखते हुए। जागरण

फेस्टिवल | फिल्म फेस्टिवल के तीसरे दिन विभिन्न सम-सामयिक विषयों पर बनी फिल्मों का प्रदर्शन किया गया

फेस्टिवल में हरियाणवी सतरंगी ने मचाई धूम

हरिभूमि न्यूज. हिसार

हरियाणवी फिल्म फेस्टिवल के तीसरे दिन हरियाणवीं फिल्म सतरंगी और सुमन गांगुली की हिंदी फिल्म ब्लू माउंटेन का प्रदर्शन किया गया। सतरंगी फिल्म एक बाप और बेटी की रिश्ते की कहानी है, जिसे बेहतरीन ढंग से बड़े पर्दे पर पेश किया गया है। सतरंगी की टीम भी दर्शकों से रूबरू हुई।

फिल्म फेस्टिवल के तीसरे दिन शनिवार को विभिन्न सम-सामयिक विषयों पर बनी फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। तीसरे दिन के फेस्टिवल का शुभारंभ मानव इंस्टीट्यूट के निदेशक डा. सीपी गुप्ता और डा. सीमा गुप्ता ने मुख्य अतिथि के तौर पर किया। दूसरे सत्र में मुख्य अतिथि के तौर पर युवा नेता गौतम सरदाना और तीसरे सत्र में डीएसपी जयपाल सिंह मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित हुए। इसके अलावा वरिष्ठ फिल्म समीक्षक अजय ब्रह्मात्मज, रैंकर्स लीग के निदेशक विमल झा, वरिष्ठ अधिवक्ता ओपी कोहली व एमजी क्लब के मैनेजर गगनदीप ने

हिसार। स्टेज पर मौजूद सतरंगी की टीम। फोटो: हरिभूमि

विशिष्ट अतिथि के तौर पर भाग लिया।

नई प्रतिभाओं को मिलेगा मौका

दादा साहब फाल्के अवार्ड विजेता फिल्म एक्ट्रस, राइटर व प्रोड्यूसर आरती नागपाल ने अपने संबोधन में कहा कि ये फिल्म फेस्टिवल बिल्कुल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किया गया है। ये एक काफी अच्छी शुरुआत है। भारत में फिल्म फेस्टिवल का चलन बढ़ रहा है और ये जरूरी भी है। नई प्रतिभाओं को मौका देने के लिए ऐसे फेस्टिवल का आयोजन जरूरी है।

सतरंगी की टीम हुई रूबरू

इस मौके पर हरियाणवी फिल्म सतरंगी की टीम भी पहुंची। फिल्म के निर्देशक संदीप शर्मा सहित यशपाल शर्मा, सचिन शौकीन, सुल्तान फिल्म में सलमान के पिता की भूमिका निभाने वाले नवीन ओहलयान, आशिमा शर्मा, अमित जैरथ, हरियाणवी फिल्मों के अभिनेता राजू मान, अभिनेत्री सुमित्रा हुडा पडनेकर व सुनीता डावर भी उपस्थित थी।

तीसरे दिन दिखाई गई ये फिल्में

फेस्टिवल आयोजन समिति के अध्यक्ष धर्मेन्द्र डांगी ने बताया कि आसिफ खान की बंगाली फिल्म दी पोस्टर के साथ फेस्टिवल की शुरुआत हुई। इसके बाद शार्ट फिल्मों के वर्ग में आरती नागपाल की आई फोट आई सर्वाइवड, अली राणा की हिंदी फिल्म मोक्ष, सौरभ बाली की हिन्दी फिल्म मानव, समन हौस्सैनपोर की पर्सियन फिल्म फिश व जैनिफर अलफांसो की अंग्रेजी फिल्म दी टेक ऑवर का प्रदर्शन किया गया। राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त मोक्ष में यशपाल शर्मा ने मुख्य किरदार निभाया है। फीचर फिल्मों के वर्ग में अमैया पटनायक की उडिया फिल्म तुलसी आपा, राजन कोठारी व दयाल निहलानी की हिंदी फिल्म दस कैपिटल दिखाई गई।

हरिभूमि - 11/9/16

हरियाणा फिल्म फेस्टिवल में तीसरे दिन सामयिक फिल्मों का प्रदर्शन

'फेस्ट आयोजक बधाई के पात्र'

आज समाज नेटवर्क

हिसार। संस्कृति सोसायटी फॉर आर्ट एंड कल्चरल डेवलेपमेंट तथा गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किये जा रहे रैंकर्स लीग इन्टरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के तीसरे दिन शनिवार को विभिन्न सम-सामयिक विषयों पर बनी फिल्मों का प्रदर्शन किया गया।

तीसरे दिन के फेस्टिवल का शुभारंभ मानव इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. सीपी गुप्ता और डॉ. सीमा गुप्ता ने मुख्य अतिथि के तौर पर किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि इस तरह के फिल्म फेस्टिवल अब तक बड़े शहरों में ही होते थे लेकिन हरियाणा में पहली बार हो रहे इस फेस्टिवल के आयोजन का मौका हिसार को मिलना गौरव की बात है। इतने बड़े आयोजन के लिए आयोजक बधाई के पात्र हैं। मुख्य अतिथि डॉ. गुप्ता का फिल्म कलाकार यशपाल शर्मा, नेशनल अवार्ड विजेता फिल्म पगड़ी के निर्देशक राजीव भाटिया, हरियाणवी फिल्मों के

फिल्म फेस्टिवल में पहुंची फिल्म सतरंगी की टीम। आज समाज

कलाकार राजू मान, फिल्म फेस्टिवल आयोजन कमेटी के अध्यक्ष धर्मेन्द्र डांगी, सचिव कमलजीत शर्मा और दिनेश गोयल ने स्वागत किया। दादा साहब फाल्के अवार्ड विजेता फिल्म एक्ट्रस, राइटर व प्रोड्यूसर आरती नागपाल भी इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के तौर पर पहुंची। धर्मेन्द्र डांगी ने उनका स्वागत किया। आरती ने अपने संबोधन में कहा कि ये फिल्म फेस्टिवल बिल्कुल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किया गया है। ये एक काफी अच्छी शुरुआत है। इस मौके पर हरियाणवी फिल्म सतरंगी की टीम भी पहुंची। फिल्म के निर्देशक संदीप शर्मा सहित यशपाल शर्मा, सचिन शौकीन, सुल्तान फिल्म में सलमान के पिता की भूमिका निभाने वाले नवीन ओहलयान, आशिमा शर्मा, अमित जैरथ, हरियाणवी फिल्मों के अभिनेता राजू मान, अभिनेत्री सुमित्रा हुडा पडनेकर व सुनिता डावर भी उपस्थित रही। सतरंगी फिल्म की टीम दर्शकों के साथ रूबरू हुई और उनसे बातचीत की। अर्चना सुहासिनी ने सतरंगी फिल्म के लिए विशेष रूप से लिखे हरियाणवी गीत को प्रस्तुत किया, जिस पर सतरंगी की टीम के सदस्यों ने ठुमके भी लगाये। रानी लक्ष्मी बाई कॉलेज की सैकड़ों छात्राएं विशेष रूप से फेस्टिवल में भाग लेने के लिए पहुंची। मंच का संचालन अर्चना, अल्पना और विशाल जिंदल ने किया।

तीसरे दिन दिखाई गई ये फिल्में

आयोजन समिति के अध्यक्ष धर्मेन्द्र डांगी ने बताया कि आसिफ खान की बंगाली फिल्म दी पोस्टर के साथ तीसरे दिन के फेस्टिवल की शुरूआत हुई। इसके बाद शार्ट फिल्मों के वर्ग में आरती नागपाल की आई फोट आई सर्वाइवड, अली राणा की हिंदी फिल्म मोक्ष, सौरभ बाली की हिन्दी फिल्म मानव, समन हौस्सैनपोर की पर्सियन फिल्म फिश व जैनिफर अलफांसो की अंग्रेजी फिल्म दी टेक ऑवर का प्रदर्शन किया गया। राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त मोक्ष में यशपाल शर्मा ने मुख्य किरदार निभाया है और एक बार फिर उन्होंने दर्शकों को अपनी अदाकारी का कायल कर दिया। फीचर फिल्मों के वर्ग में अमैया पटनायक की उडिया फिल्म तुलसी आपा, राजन कोठारी व दयाल निहलानी की हिंदी फिल्म दस कैपिटल, संदीप शर्मा की हरियाणवी फिल्म सतरंगी और सुमन गांगुली की हिंदी फिल्म ब्लू माउंटेन का प्रदर्शन हुआ।

आज समाज - 11/9/16

नए आयाम के वायदे के साथ फिल्म फैस्टीवल का समापन

सर्वश्रेष्ठ फिल्म तथा कलाकारों को मिला सम्मान

हिसार, 11 सितम्बर (का.प्र.): फिल्मों में नई रचनात्मकता लाने के आगाज के साथ हरियाणा इंटरनैशनल फिल्म फैस्टीवल का रविवार को समापन हो गया। इस फैस्टीवल के दौरान दिखाई गई फिल्मों में से सर्वश्रेष्ठ फिल्मों को चुना गया और उन्हें पुरस्कार प्रदान किए गए। फैस्टीवल के दौरान आयोजकों ने हरियाणा, बालीवुड और दूसरे राज्यों के फिल्मी कलाकारों को एक मंच पर ला दिया। हरियाणा के वरिष्ठ और नए कलाकारों को एक-दूसरे से मिलने का मौका मिला और हरियाणा के सिनेमा को आगे बढ़ाने के लिए सबने मिलकर काम करने का संकल्प किया।

चार दिन तक चले फिल्म फैस्टीवल के आखिरी दिन रविवार को विशिष्ट अतिथियों के तौर पर हरियाणा फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े वरिष्ठ कलाकार जनार्धन शर्मा, अरविंद स्वामी, राघवेन्द्र मलिक, सुमित्रा हुड्डा पडनेकर, हरिश कटारिया, राजू मान, कास्टिंग डायरेक्टर बॉलीवुड मुकेश छाबड़ा, महेश बलराज, रोशन वर्मा, वरिष्ठ रंग निर्देशक संजय उपाध्याय, सतरंगी के निर्देशक संदीप शर्मा व उनकी टीम, टीवी व फिल्म कलाकार सुनील सारस्वत शेखू, बंगाली निर्देशक व एक्ट्रस रूना चौधरी, तनीमा भट्टाचार्य, रूना चौधरी, श्रुति उत्फत, दीपक गेरा, नरेन्द्र अरोड़ा जैसे जाने-माने चेहरे हिसार पहुंचे। बंगाली निर्देशक व एक्ट्रस रूना चौधरी जब पहुंची तो इनका स्वागत भी अन्यों की तरह हरियाणवी नृत्य और रागिनी के साथ किया गया।

हरियाणवी कलाकारों के साथ तुमके लगाती फिल्म निर्देशक व एक्ट्रेस सुदिप्ता चौधरी।

अभिनेता यशपाल शर्मा के साथ सैल्फी लेती हरियाणवी कलाकार।

सुदिप्ता ने भी हरियाणवी कलाकारों के साथ तुमके लगाए। अवार्ड समारोह के दौरान हरियाणवी सिंगर केडी ने भी अपनी गायकी के जलवे बिखेरे। साथ ही राखी जोशी और टीम की प्रस्तुति भी शानदार रही।

वरिष्ठ हरियाणवी कलाकार राघवेन्द्र मलिक ने कहा कि ये फिल्म फैस्टीवल हरियाणवी सिनेमा को नई ऊंचाइयां प्रदान करने के प्रयास का पहला कदम है, जो आगे जाकर बहुत कारगर साबित होगा। बॉलीवुड कलाकार यशपाल शर्मा ने कहा कि हरियाणा के सभी कलाकारों को जोड़कर हरियाणवी सिनेमा की जड़ों को मजबूत करने और नई पौध तैयार करने का यह एक अभिनव प्रयास है। अतिथियों का स्वागत फिल्म कलाकार यशपाल शर्मा, नैशनल अवार्ड विजेता फिल्म पगड़ी के निर्देशक राजीव भाटिया फिल्म फैस्टीवल आयोजन कमेटी के अध्यक्ष धर्मेन्द्र डांगी, सचिव कमलजीत शर्मा, मनीष जोशी और दिनेश गोयल ने स्वागत किया। मंच संचालन की जिम्मेदारी अल्पना सुहासिनी और विशाल जिंदल की रही।

आखिरी दिन इन फिल्मों का हुआ प्रदर्शन

आयोजन समिति के अध्यक्ष धर्मेन्द्र डांगी ने बताया कि चौथे दिन के फैस्टीवल की शुरूआत सुदिप्ता चौधरी निर्देशित बंगाली फिल्म लीला के प्रदर्शन से हुई। यह फिल्म एक अपंगता से जूझती लड़की लीला के जीवन और उसके प्यार में पड़ने की कहानी है। इसके बाद नैशनल अवार्ड विजेता फिल्म श्याही दिखाई गयी, जिसका निर्देशन युवा निर्देशक वरुण टंडन ने किया है। गौरव राणा निर्देशित पंजाबी फिल्म उडीक ने दर्शकों के रौंगटे खड़े कर दिए। देश के लिए सीमा लड़ते हुए गायब हो जाने वाले जवानों के जीवन पर आधारित इस फिल्म में कई सालों के बाद वापस लौटने वाले सैनिकों की मार्मिक कहानी दिखाई गयी है इस फिल्म में।

इस फिल्म में मुख्य किरदार हिसार के सुनिल सारस्वत शेखू ने निभाया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।

पंजाब केसरी हिसार - 12/9/16

हरियाणा के वीरों पर बनाएं फिल्में : धनखड़

गुजवि में इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में यशपाल शर्मा व मेघना मलिक सहित अन्य कलाकारों ने की शिरकत

जागरण संवाददाता, हिसार : हरियाणा के ऐसे अनेकों वीर-रणबांकुरे की अनसुनी-अनदेखी कहानियां हैं। यदि फिल्मकार ऐसी कहानियों को फिल्मों के माध्यम से दिखाएं तो हरियाणा का असली गौरवशाली चेहरा पूरी दुनिया के सामने आ पाएगा। ऐसे फिल्मकारों को प्रदेश सरकार की ओर से हर प्रकार की मदद दी जाएगी। हरियाणा की कहानियां और हरियाणवी बोली इतनी सशक्त हैं कि इन्हें आधार बनाकर बॉलीवुड में फिल्में और टेलीविजन कार्यक्रम भी बन रहे हैं। यह बात कृषि मंत्री ओपी धनखड़ ने गुजवि के सभागार में हरियाणा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में बोलते हुए कही।

उन्होंने फिल्म फेस्टिवल में हरियाणा के स्वर्ण जयंती वर्ष पर आधारित स्वलिखित कविताएं भी सुनाई। उन्होंने आयोजकों को 2 लाख 51 हजार रुपये की सहायता राशि देने की भी घोषणा की। प्रदेश के स्वर्ण जयंती वर्ष को समर्पित इस फिल्म फेस्टिवल में 28 देशों की 17 भाषाओं में बनी 168 फिल्में शामिल की गई थी, जिनमें से प्रदर्शन के लिए 45 फिल्मों का चयन किया गया। आज 10 फिल्मों का प्रदर्शन किया गया।

धनखड़ ने फिल्मकारों से आह्वान किया कि वे हरियाणा की संस्कृति, इतिहास और यहां की माटी की सौंधी खुशबू से प्रेरणा लेकर फिल्में बनाएं। उन्होंने कहा कि हरियाणा की भूमि पर अनेक ऐसे वीर, शहीद और रणबांकुरे पैदा हुए हैं जिन्होंने देश को आजाद करवाने और हरियाणा को गौरवान्वित करने के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया लेकिन उनका नाम कोई नहीं जानता।

कृषि मंत्री ने कहा कि हरियाणा की विरासत व संस्कृति महान है। यहां किसी का बेटा शहीद होता है तो उसका बाप कहता है कि पोते को सेना में भेजूंगा। धनखड़ ने कहा कि पंजाबी फिल्मों व कलाकारों की तरह हरियाणा में भी अच्छी कथाएं व कलाकार ढूंढे जाएं। बॉलीवुड हम पर फिल्में बना रहा है। हाल ही में आई फिल्म सुल्तान की कहानी हरियाणा के एक पहलवान पर आधारित है। इसी प्रकार हरियाणा की पृष्ठभूमि पर आधारित फिल्में दंगल भी आ रही हैं। हम इतने सशक्त हैं कि हम पर फिल्में बनाई जाएं। वहीं, कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हमारी युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति पर गर्व करना चाहिए और इससे जुड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों में सहयोग के लिए विश्वविद्यालय सदैव तत्पर रहेगा। इससे पूर्व आयोजकों ने प्रसिद्ध कवि डॉ. कुंवर बेचैन को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। डॉ. कुंवर बेचैन ने भी अपनी रचनाएं सुनाकर उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर गुजवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, रजिस्ट्रार अनिल पुंडीर, यशपाल शर्मा, मेघना मलिक, राजीव भाटिया, धर्मेंद्र डांगी, डॉ. अल्पना सुहासिनी, अशोक त्यागी, दिनेश गोयल, रवि चौहान, जगजीवन राम, महेंद्र सिंह आदि मौजूद थे।

मेघना मलिक को सम्मानित करते गणमान्य। जागरण

हरियाणवी कलाकारों के साथ नृत्य करती मेघना मलिक।

बेटियों की तरह बेटों को भी सिखाएं व्यवहार : मेघना

जागरण संवाददाता, हिसार : जिस प्रकार लड़कियों के रहन-सहन, उनके कपड़ों और घूमने-फिरने के बारे में माता-पिता समझाते हैं, उसी प्रकार लड़कों को भी उनके व्यवहार के बारे में समझाया जाना चाहिए। लड़के समाज में जाकर किस तरह का व्यवहार करते हैं, इस बात पर माता-पिता को नजर रखने की जरूरत है। यह बात टीवी कलाकार मेघना मलिक ने रैंकर्स लीग हरियाणा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के दौरान बातचीत करते हुए कही। वह प्रदेश में हो रही ऑनरकिलिंग की घटनाओं के बारे में पूछने पर अपने विचार प्रकट कर रही थी।

उन्होंने कहा कि बच्चों की पहली शिक्षा घर से ही शुरू होती है। बच्चों को स्कूल और कॉलेज से ज्यादा अपने घर में सीखने को मिलता है। खास तौर से लड़कों पर नजर रखने की जरूरत है और उनके व्यवहार का आकलन किया जाना चाहिए। समाज में बिगड़ते युवाओं को लेकर सरकार या प्रशासन से पहले परिवार पर सवाल उठाये जाने चाहिए। बच्चों और परिजनों के बीच कम होते संवाद के कारण बच्चों के बिगड़ने की घटनाएं होती है। उन्होंने कहा कि ऑनरकिलिंग किसी मुद्दे का हल नहीं है और कानून अपने हाथ में लेना गलत है। युवाओं को सही दिशाओं में ले जाने के बारे में उन्होंने कहा कि खेल और कला के माध्यम से युवा शक्ति का उपयोग समाज निर्माण में किया जा सकता है।

- बोलीं, बच्चों को स्कूल और कॉलेज से ज्यादा घर में मिलता है सीखने के लिए

उन्होंने कहा कि आज समाज में बदलाव आ रहा है और महिलाएं अपनी शक्ति और अधिकारों को पहचान रही हैं। मगर समय धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा है और ये बदलाव थोड़ा तेजी से आना चाहिए। खेलों में लड़कियों और खास तौर से हरियाणा की लड़कियों के आगे बढ़ने पर उन्होंने सबसे पहले साक्षी मलिक को ओलिम्पिक मैडल के लिए बधाई दी और कहा कि इस तरह की सफलताएं आसान नहीं है। इसके लिए बहुत त्याग करना पड़ता है। जाट आरक्षण के मुद्दे पर मलिक ने कहा कि आरक्षण जाति के आधार पर नहीं बल्कि आर्थिक आधार पर होना चाहिए।

दैनिक जागरण - 10/9/16

दावा | जीजेयू के फार्मास्यूटिकल विभाग के पीएचडी छात्र ने किया शोध, जनरल में होगा प्रकाशित

घबराहट और बेचैनी में दवाई का विकल्प सीताफल

मनोज कौशिक | हिसार

घबराहट और बेचैनी यानि एन्जायटी होने पर जितना काम एलोपैथी दवा करती है, इसके समान ही फायदा सीताफल का सेवन करने से भी होता है। सीताफल का सेवन करने से दिमाग शांत होता है तो मन संतुलित अवस्था में आने लगता है। इस तथ्य को शोध के माध्यम से साबित कर लिया गया है।

शोधार्थी कैलाश शर्मा।

जीजेयू के फार्मास्युटीकल विभाग में पीएचडी कर रहे स्कॉलर कैलाश शर्मा ने एक रिसर्च स्टडी में यह पाया है कि सीताफल में वो सभी तत्व मौजूद हैं, जो एन्जायटी को कम करने के लिए ली जाने वाली दवा में होते हैं। साथ ही दवा तैयार करने के लिए कृत्रिम तत्वों का समावेश किया जाता है, लेकिन सीताफल में वो तत्व पहले से मौजूद होते हैं। सीताफल एन्जायटी में किस तरह से काम करता है इसके लिए शोध कर्ता ने चूहों पर परीक्षण किया है। रिसर्च की स्टडी को देखते हुए इसके प्रकाशन के लिए स्वीकृति भी मिल गई है। जीजेयू कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विवि में किए जाने वाले शोधकार्य मानकों पर खरे उतर रहे हैं, इसलिए शोधार्थी बधाई के पात्र हैं।

सीताफल में ये मौजूद तत्व, ये फायदा

सीताफल में पी कोमुरिक एसिड होता है जो ब्रेन में गाबा ए रिस्पेटर को एक्टिवेट कर देता है, इससे एनेक्सिटी ठीक होती है। प्रोटोकैटेक्यूक व विटामिन-सी न्यूट्रोप्रोटेक्टिव हैं और एंटीऑक्सिडेंट होते हैं। गेलिक व केफिक एसिड निट्रिजिक सिस्टम में आई नोज और एन नोज को बंद कर देता है जिससे एनेक्सिटी ठीक होती है। सीताफल को मान्यता के अनुसार पवित्र फल भी माना जाता है और इसे पूजा पाठ के दौरान प्रयोग किया जाता है। शोधार्थी कैलाश शर्मा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि कई जगह यह फल महंगा तो कहीं पर कम रेट में भी मिल जाता है।

इस तरह से की स्टडी, ये निष्कर्ष

शोधार्थी कैलाश शर्मा ने बताया कि सीताफल पर स्टडी करने के लिए अलग-अलग मॉडल बनाए गए। जिसमें 6-6 चूहों के पांच ग्रुप बनाए गए। इसके बाद इस तरह की स्थिति पैदा की गई जिससे चूहों में घबराहट और तनाव बढ़ जाए। एन्जायटी की स्थिति में चूहे किस तरह से व्यवहार करते हैं और मॉडल में किस तरह सुरक्षित रहने के लिए छुपते हैं, इसकी मेजरमेंट की गई। इसमें एक ग्रुप को सिर्फ पानी, दूसरे ग्रुप को बाजार में मिलने वाली इग्स और तीसरे ग्रुप को सीताफल के जूस में पानी मिलाकर 3 प्रतिशत, चौथे ग्रुप को 6 प्रतिशत और पांचवें ग्रुप को 9 प्रतिशत वॉल्यूम की डाइट दी गई। इस दौरान देखा गया कि बाजार में मिलने वाली डायजापाम इग्स और सीताफल के जूस लेने वाले चूहे के व्यवहार में कितना फर्क है, तो पाया कि दोनों का असर एक बराबर ही है।

ये है एनिक्सिटी, इसलिए हानिकारक

शोधार्थी ने बताया कि जब हम ऊंचाई से, पानी में से या किसी जानवर से डरते हैं तो घबराहट पैदा होती है। यह एक विकार होता है जिसे एनेक्सिटी कहते हैं। साक्षात्कार या किसी नए व्यक्ति या नई जगह जाने के दौरान घबराना भी इसी में शामिल है। यह एक बीमारी है, जो हानिकारक है, क्योंकि घबराहट और बेचैनी की स्थिति में हम निर्णय लेने की क्षमता खो देते हैं, साथ ही इससे किसी तरह का अटैक भी आ सकता है। और हाथ आए अवसर भी छूटने का भय रहता है।

दैनिक भास्कर - 13/9/16

व्यक्तित्व विकास | सभी विद्यार्थियों को लगानी होगी पर्सनेल्टी डेवलपमेंट की कक्षाएं, विवि रखेगा अलग फैकल्टी

गुजवि निखारेगा विद्यार्थियों की पर्सनेल्टी

यशपाल सिंह. हिसार

गुजवि के विद्यार्थी पासआउट होने के बाद किसी भी क्षेत्र में न पिछड़ें इसको लेकर विवि में एंट्री के साथ ही उनकी ट्रेनिंग आरंभ हो जाएगी। विवि में पढ़ाई के लिए आने वाले सभी विद्यार्थियों को व्यक्तिव विकास की कक्षाएं लगानी होंगी। इसके साथ ही अंग्रेजी को भी सुधारा जाएगा। विवि व्यक्तिव विकास के लिए जल्द ही अलग से फैकल्टी भी लगाने जा रहा है। इसके अलावा लैंग्वेज लैब भी तैयार की जाएगी। फिलहाल अंग्रेजी को मजबूत करने पर ध्यान दिया जा रहा है लेकिन जल्द ही हिंदी भाषा पर भी लैब में काम आरंभ हो जाएगा। विवि में मनोविज्ञान विभाग की तरफ से समय समय पर पर्सनेल्टी डेवलपमेंट पर वर्कशॉप करवाई जाती हैं लेकिन अब नियमित रुप से पर्सनेल्टी डेवलपमेंट के लिए सभी विभागों में कक्षाएं लगाई जाएंगी। विवि जल्द ही पर्सनेल्टी डेवलपमेंट के लिए फैकल्टी भी रखी जाएंगी।

- हाई-फाई लुक के साथ फर्राटेदार अंग्रेजी बोलेंगे जीजेयू स्टूडेंट

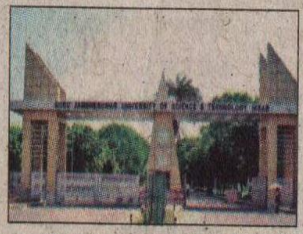

नैतिकता का पढ़ाया जाएगा पाठ

गुजवि में सभी विद्यार्थियों के लिए नैतिक शिक्षा भी जरूरी की जा रही है। सभी विभागों में विद्यार्थियों को नैतिक शिक्षा की क्लास भी नियमित रुप से लगानी होगी। विद्यार्थियों के मॉडर्न होने के साथ ही नैतिकता का भी ज्ञान रहे, इसके लिए विवि प्रशासन ने यह निर्णय लिया है। विवि द्वारा नैतिक शिक्षा पढ़ाने के लिए फैकल्टी भी रखी जा रही है।

इंटरव्यू में नहीं आएगी दिक्कत

विद्यार्थियों को जॉब या इंटरव्यू में किसी तरह की दिक्कत न आए, इसलिए पर्सनेल्टी डेवलपमेंट जरुरी है। पढाई के साथ-साथ व्यक्तिव विकास जरूरी है। बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट की बैठक में भी यह बात रखी गई थी।

-डा. संदीप राणा
चेयरमैन, मनोविज्ञान विभाग

पर्यावरण का भी देंगे ज्ञान

महान पर्यावरणविद गुरु जंभेश्वर के नाम पर विवि होने के चलते सभी विद्यार्थियों को पर्यावरण की कक्षाएं भी लगानी होंगी। इसके लिए विवि पर्यावरण विभाग द्वारा सिलेबस भी तैयार करवाया गया है।

पर्यावरण विभाग के शिक्षकों द्वारा सभी विभागों के विद्यार्थियों को पर्यावरण पढ़ाना होगा। इसके लिए यूजीसी से भी विवि को गाइडलाइन मिली थी।

अंग्रेजी में सुधार होगा

विद्यार्थियों को पर्सनेल्टी डेवलपमेंट और नैतिक शिक्षा की कक्षाएं लगानी होंगी। इसके लिए अलग से फैकल्टी भी रखी जाएंगी। लैंग्वेज लैब के ज़रिए अंग्रेजी में सुधार होगा। पर्यावरण भी सभी विद्यार्थियों को पढ़ाएंगे।

-प्रो. टंकेश्वर कुमार
कुलपति, गुजवि

हरि भूमि - 14/9/16

गुजवि ने पहली बार मनाया हिंदी दिवस, दिखा गजब का उत्साह

जागरण संवाददाता हिसार : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में सोमवार को पहली बार हिंदी दिवस मनाया गया। जिसमें छात्रों व शिक्षकों ने आधुनिकता के दौर में हिंदी पर दिखाई दे रहे असर पर मंथन किया। छात्रों ने कविता व भाषण दिये। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के सौजन्य से हिंदी दिवस पर आयोजित किये गए कार्यक्रम में मुख्यातिथि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विवि के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने की। दैनिक जागरण हिसार यूनिट के महाप्रबंधक राहुल मित्तल समारोह के विशिष्ट अतिथि रहे।

गुजवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा है कि हम हमारी मातृभाषा हिंदी को जितना बढ़ावा देंगे, हमारी सोच उतनी ही अधिक विकसित होगी। हिंदी भारतीयता की पहचान है और दुनिया की सबसे समृद्ध भाषाओं में से एक है। हिंदी को बढ़ावा देना हमारी जिम्मेदारी है। इसके हमें समझना होगा। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि गुजवि तकनीकी विश्वविद्यालय होने के बावजूद हिंदी भाषा को बढ़ावा देने में प्रयासरत है।

भाषण में अंकित राज प्रथम रहे

हिंदी दिवस के उपलक्ष्य के उपलक्ष्य पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के सौजन्य से भाषण व कविता पाठ प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

- दैनिक जागरण हिसार यूनिट के जीएम राहुल मित्तल रहे विशिष्ट अतिथि
- गुजवि में कविता गायन अनिल व भाषण में अंकित राज रहे प्रथम

समारोह के दौरान दैनिक जागरण के महाप्रबंधक राहुल मित्तल को सम्मानित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। (दाएं) विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते सीएमटी के विभागाध्यक्ष प्रो. विक्रम कौशिक व अन्य। जागरण

भाषण प्रतियोगिता में अंकित राज ने पहला तथा मनदीप ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। कविता पाठ प्रतियोगिता में अनिल कुमार प्रथम रहे। पुष्पा ने दूसरा तथा मनदीप ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। निर्णायक की भूमिका प्रो. उमेश आर्य, डा. रवीश गर्ग व डा. मीनाक्षी भाटिया ने निभाई।

छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. हरभजन बंसल ने कहा कि यह दुर्भाग्य है कि मूलतः हिंदी भाषी लोग भी अंग्रेजी बोलने में अपना सम्मान समझते हैं। हिंदी समारोह को युवा कल्याण निदेशक अजीत सिंह ने भी संबोधित किया। समारोह में विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास केंद्र की निर्देशिका प्रो. वंदना पांडेय भी उपस्थित थी।

प्रशासनिक कार्यों की भी भाषा बने हिंदी : कुलसचिव

डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा कि हिन्दी भाषा को प्रशासनिक कार्यों की भाषा बनाना आवश्यक है। तभी हम इस भाषा को और अधिक उपयोगी बना पाएंगे और भाषा का विस्तार हो सकेगा।

युवाओं पर है हिंदी के विस्तार की जिम्मेवारी : राहुल मित्तल

दैनिक जागरण के महाप्रबंधक राहुल मित्तल ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी के प्रचार और प्रसार में समाचार पत्रों व पत्रिकाओं का बहुत अधिक योगदान है। वैश्वीकरण के इस दौर में हिंदी की उपयोगिता व प्रसार लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने हिन्दी को त्रुटिरहित भाषा बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी युवा के लिए आगे बढ़ने में कारगर साबित होती है। इसलिए अंग्रेजी सीखना जरूरी है। मगर, हिंदी को भूल कर अंग्रेजी को अपना गलत है। हमें हिंदी को बढ़ावा देना होगा और इसकी जिम्मेदारी युवाओं की है।

राष्ट्र को जोड़ने की भाषा है हिंदी :प्रो. कौशिक

इस अवसर पर विवि के जनसंचार प्रबंधन एवं तकनीकी विभाग के अध्यक्ष प्रो. विक्रम कौशिक ने कहा कि हिंदी देश को जोड़ने की भाषा है। उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई भी हमने हिंदी के बल पर ही लड़ी थी। उन्होंने कहा कि हिन्दी कविता, कहानी और कथावाचन की दुनिया से निकल कर रोजगार की भाषा बन गयी है।

गुजवि में स्पोर्ट्स फैस्टीवल का हुआ आगाज

अच्छा खिलाड़ी अच्छा नागरिक भी होता है : पुंडीर

खिलाड़ियों का परिचय लेते डा. अनिल कुमार पुंडीर व यू.टी.डी. स्पोर्ट्स फैस्टीवल में भाग लेते खिलाड़ी। (नारंग)

हिसार, 15 सितम्बर (का.प्र.): गुजवि कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा है कि एक अच्छा खिलाड़ी एक अच्छा नागरिक भी होता है। खेल व्यक्ति के जीवन का महत्वपूर्ण अंग हैं। हर व्यक्ति को खेलों में अवश्य भाग लेना चाहिए। डा. पुंडीर विवि खेल परिसर में शुरू हुए 3 दिवसीय यू.टी.डी. स्पोर्ट्स फैस्टीवल के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। अध्यक्षता खेल विभाग के निदेशक डा. एस.बी. लूथरा ने की।

डा. पुंडीर ने कहा कि युवा अवस्था में खिलाड़ी रहा व्यक्ति अपने आप को जीवन भर स्वस्थ रख सकता है। उन्होंने गांव-गांव में खेल स्टेडियम बनाने तथा युवाओं व बच्चों को खेलों की ओर आकर्षित करने के महत्व पर बल दिया।

डा. एस.बी. लूथरा ने स्पोर्ट्स फैस्टीवल के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सभी विभागों को 7 सदनों में बांटा गया है। खेल प्रतियोगिताएं 3 दिन चलेंगी। प्रतियोगिताओं में 600 से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे। इन प्रतियोगिताओं के आधार पर विवि टीमों का चयन भी किया जाएगा। इस अवसर पर सुखदेव हाऊस व नेता जी सुभाष चन्द्र हाऊस के बीच फुटबॉल मैच हुआ। इस मैच में नेताजी सुभाष हाऊस ने सुखदेव हाऊस को 9-1 से हराया।

निशान सिंधु, विकास कासवां, मंदीन ग्रेवाल, जे.सी. नूनिया, रामकेस, मैडल लाल, संदीप कुमार, सुरेश कुमार, विनोद कुमार, प्रकाश, नरेश मलिक, विकास कुमार, बलजीत, गिरधर लाल, रामनिवास, प्रमोद कुमार, धत रूप, अशोक कुमार, बृज लाल व कमलदीप ने प्रतियोगिताओं के संचालन में सहयोग किया।

दवाओं के असर को किया जा सकता है निर्धारित : डॉ. गोलन

हरिभूमि न्यूज. हिसार

■ नए विद्यार्थियों के साथ अनुभव साझा किए

गुजवि फार्मेसी विभाग के विद्यार्थी रह चुके व अमेरिका की किंडरफार्म कंपनी के एसोसिएट डायरेक्टर डा. राकेश गोलन ने गुजवि में नए विद्यार्थियों के साथ अनुभव सांझा किए। उन्होंने बताया कि दवाइयों के असर का निर्धारण किया जा सकता है। जहां पर सैंपल लेना संभव नहीं होता, दवाओं का असर कितने समय मे कितना रहेगा

इसकी जानकारी प्राप्त की जा सकने वाली तकनीक के बारे में बताया। साथ ही उन्होंने बताया कि एड्स ग्रस्त गर्भवती महिलाओं व बच्चों में एड्स की रोकथाम में उनकी यह विधि बहुत कारागार साबित हो सकती है। उन्होंने गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं पर असर को दर्शाने वाले अपने रिसर्च से सभी को अवगत कराया।

जिसमें उन्होंने मानव शरीर की संरचना को आसान से तीन कंपार्टमेंट मॉडल के तहत दवाओ का शरीर मे अपव्यय को रेखांकित किया। डा. एसके सिंह ने कहा कि डा.गोलन जैसे प्रतिभावान विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऊंचा किया है।

इस अवसर पर डॉ. डीसी भट्ट, डॉ. डीएन मिश्रा, डा. मुनीश आहुजा, डॉ. सुमित्रा दहिया, डॉ. विक्रमजीत सिंह, डॉ. मनोज मेडल, डॉ. अर्चना कपूर, अश्वनी कपूर, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. दिनेश, दीपक जिंदल, सुमित धारीवाल, रवि, हिमांशी, दीपिका, प्रिया, प्रियंका यादव आदि उपस्थित थे।

सभा में विचार रखे करते डा. गोलन।

हरिभूमि 16/9/16

जीजेयू में यूटीडी स्पोर्ट्स फेस्टिवल शुरू

हिसार (ब्यूरो)। जीजेयू में वीरवार को तीन दिवसीय यूटीडी स्पोर्ट्स फेस्टिवल की शुरूआत हुई। फेस्टिवल का उद्घाटन समारोह के मुख्यातिथि कुल सचिव एके पुंडीर ने किया। अध्यक्षता खेल विभाग के निदेशक डॉ. एसबी लूथरा ने की। डॉ. पुंडीर ने कहा कि युवा अवस्था में खिलाड़ी रहा व्यक्ति अपने आप को जीवन भर स्वस्थ रख सकता है। खेल व्यक्ति के जीवन का महत्वपूर्ण अंग हैं। हर व्यक्ति को खेलों में अवश्य भाग लेना चाहिए।

खेल व्यक्ति को निराशा के दौर से निकलने में भी मदद करते हैं। खेल में भाग लेकर व्यक्ति अपने संस्थान, गांव, प्रदेश व देश का नाम रोशन कर सकता है। डॉ. एसबी लूथरा ने स्पोर्ट्स फेस्टिवल के बारे में बताया कि विश्वविद्यालय के सभी विभागों को सात सदनों में बांटा गया है। खेल प्रतियोगिताएं तीन दिन तक चलेंगी। प्रतियोगिताओं में छह सौ से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे। इस अवसर पर सुखदेव हाउस व नेता जी सुभाष चंद्र हाउस के बीच फुटबॉल मैच हुआ। इस मैच में नेताजी सुभाष हाउस ने सुखदेव हाउस को 9-1 से हराया। निशान सिंधु, विकास कासवां, मंदीप ग्रेवाल, जेसी नूनिया, रामकेस, मैडल लाल, संदीप कुमार, सुरेश कुमार, विनोद कुमार, प्रकाश, नरेश मलिक, विकास कुमार, बलजीत, गिरधर लाल, रामनिवास, प्रमोद कुमार, धत रूप, अशोक कुमार, बृज लाल व कमलदीप ने प्रतियोगिताओं के संचालन में सहयोग किया।

अमर उजाला 16/9/16

प्रो. मिलिन्द पारले को शिक्षक पुरस्कार

आज समाज नेटवर्क

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के फार्मास्यूटिकल विभाग के प्रो. मिलिन्द पारले को विख्यात शिक्षक पुरस्कार से नवाजा गया है। उन्हें यह पुरस्कार दिल्ली में हुई इंडो अमेरिकन एजुकेशन समिट में दिया गया है। इस समिट का आयोजन इंडुस फाऊंडेशन द्वारा किया गया। समिट में जापान, अमेरिका, चीन, जर्मनी, डेनमार्क, नीदरलैंड, सिंगापुर तथा मलेशिया देशों के 720 शिक्षाविदों ने भाग लिया। यह पुरस्कार गुणवत्ता आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए शोध के क्षेत्र में दिया जाता है। प्रो. मिलिन्द पारले का इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान है। प्रो. मिलिन्द पारले फेकल्टी ऑफ मेडिकल साईंसिज के डीन है। इस फेकल्टी के अंतर्गत फार्मास्यूटिकल साईंसिज, फिजियोथेरेपी तथा साइकॉलोजी विभाग में उच्च स्तर की शिक्षा प्रदान की जाती है। प्रो. पारले के 350 शोध पत्र अंतरराष्ट्रीय जर्नल्स में छप चुके हैं तथा उन्होंने साइको फामाकोलोजी में सात पेटेंटस भी फाइल किए हैं। उनके 2500 से अधिक साइटेशन्स गूगल स्कॉलर पर उपलब्ध हैं। पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान राज्यों से यह अवार्ड लेने वाले प्रो. मिलिन्द पारले अकेले हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने प्रो. पारले को इस उपलब्धि पर बधाई दी तथा कहा है कि प्रो. पारले की इस उपलब्धि ने विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया है। इंडो अमेरिकन समिट भारत और विदेशी विद्यार्थियों को जोड़ने वाली समिट है।

इस समिट के दौरान विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा दिया जाता है। भारत के विद्यार्थियों को दुनिया के उत्कृष्ट शिक्षण संस्थानों में प्रवेश के बारे में जानकारी दी जाती है। विद्यार्थी एवं शिक्षक का आदान-प्रदान कार्यक्रम को बढ़ावा दिया जाता है। समिट का उद्देश्य भारतीय शिक्षण संस्थानों को विश्व स्तर पर लाना है।

आज समाज - 17/9/16

गुजवि प्रो. पारले को शिक्षक पुरस्कार से नवाजा

विख्यात शिक्षक पुरस्कार के साथ प्रो. मिलिन्द पारले।

हिसार, 16 सितम्बर (का.प्र.): गुजवि फार्मास्यूटिकल विभाग के प्रो. मिलिन्द पारले को विख्यात शिक्षक पुरस्कार से नवाजा गया है। उन्हें यह पुरस्कार दिल्ली में हुई इंडो-अमरीकन एजुकेशन सम्मिट में दिया गया है। इस सम्मिट का आयोजन इंडुस फाऊंडेशन द्वारा किया गया। सम्मिट में जापान, अमरीका, चीन, जर्मनी, डेनमार्क, नीदरलैंड, सिंगापुर तथा मलेशिया देशों के 720 शिक्षाविदों ने भाग लिया। यह पुरस्कार गुणवत्ता आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए शोध के क्षेत्र में दिया जाता है। प्रो. मिलिन्द फैकल्टी ऑफ मैडीकल साइंसिज के डीन है। इस फैकल्टी के अंतर्गत फार्मास्यूटिकल साइंसिज, फिजियोथैरेपी तथा साइकोलॉजी विभाग में उच्च स्तर की शिक्षा प्रदान की जाती है। पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान से यह अवार्ड लेने वाले प्रो. मिलिन्द पारले अकेले हैं। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने प्रो. पारले को इस उपलब्धि पर बधाई दी।

पंजाब केसरी हिसार - 17/9/1

वॉलीबाल में पुरुष-महिला वर्ग में राजगुरु हाउस बना चैंपियन

जीजेयू में रोमांचक प्रतियोगिताओं के साथ तीन दिवसीय स्पोर्ट्स फेस्टिवल संपन्न

जीजेयू में आयोजित खेल उत्सव के आखिरी दिन विजेताओं को सम्मानित करते हुए अतिथिगण।

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू में खेल विभाग के सौजन्य से खेल परिसर चल रहे तीन दिवसीय यूटीडी स्पोर्ट्स फेस्टिवल के समापन समारोह के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. राजेश मल्होत्रा ने शिरकत की। अध्यक्षता खेल निदेशक डॉ. एसबी लुथरा ने की। प्रो. राजेश मल्होत्रा ने कहा कि खेलों के प्रति पूरी दुनिया में रुझान बढ़ रहा है। डॉ. लुथरा ने कहा इन प्रतियोगिताओं के आधार पर विश्वविद्यालय में यूटीडी की टीमों का चयन किया गया है। ये टीमें सितंबर-अक्टूबर में होने वाली इंटर कॉलेज प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेंगी। धन्यवाद प्रस्ताव सहायक खेल निदेशक मृणालिनी नहरा ने प्रस्तुत किया।

ये रहे परिणाम

बास्केटबाल प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में चंद्र शेखर आजाद हाउस प्रथम, महिलाओं के वर्ग में सुभाष चंद्र बोस हाउस प्रथम, फुटबाल प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में सुभाष चंद्र बोस हाउस प्रथम, महिला वर्ग में राजगुरु हाउस प्रथम, वॉलीबाल प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में राजगुरु हाउस प्रथम, महिला वर्ग में भी राजगुरु हाउस प्रथम, बैडमिंटन प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में राजगुरु हाउस प्रथम, महिला वर्ग में राजगुरु हाउस ने पहला, क्रिकेट प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में सरोजनी नायडू हाउस, कबड्डी प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में सुखदेव हाउस, महिला वर्ग में चंद्रशेखर आजाद हाउस ने पहला, टेबल टेनिस प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में लाला लाजपत राय हाउस ने पहला, महिला वर्ग में राजगुरु हाउस ने पहला, टेनिस प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में दीपक मित्तल ने प्रथम, महिला वर्ग में सपना प्रथम, शतरंज प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में नितेश प्रथम, महिला वर्ग में महक ने पहला, क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में राजेश कुमार प्रथम, महिला वर्ग में नीरू प्रथम स्थान पर रही।

दैनिक भास्कर - 18/9/16

यू.टी.डी. स्पोर्ट्स फैस्टीवल में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

हिसार, 17 सितम्बर (का.प्र.): गुजवि खेल परिसर में चल रहे 3 दिवसीय यू.टी.डी. स्पोर्ट्स फैस्टीवल का समापन हो गया। मुख्यातिथि डीन एकैडमिक अफेयर्स प्रो. राजेश मल्होत्रा थे। अध्यक्षता खेल निदेशक डा. एस.बी. लुथरा ने की। प्रो. राजेश मल्होत्रा ने कहा कि खेलों के प्रति पूरी दुनिया में रूझान बढ़ रहा है। चाहे व्यक्ति किसी भी व्यवसाय में हो या विद्यार्थी कोई भी विषय पढ़ता हो, उसे खेलों में भाग अवश्य लेना चाहिए। डा. लुथरा ने कहा कि इन प्रतियोगिताओं के आधार पर यू.टी.डी. की टीमों का चयन किया गया है। ये टीमें सितम्बर-अक्तूबर में होने वाली इंटर कॉलेज प्रतियोगिताओं में भाग लेंगी।

खिलाड़ियों को सम्मानित करते प्रो. राजेश मल्होत्रा।

ये रहे परिणाम

बास्केट बाल प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में चन्द्रशेखर आजाद हाऊस प्रथम, ऊधम सिंह हाऊस द्वितीय तथा लाला लाजपत राय हाऊस तृतीय स्थान पर रहे। महिलाओं के वर्ग में सुभाष चन्द्र बोस हाऊस प्रथम, लाला लाजपत राय हाऊस द्वितीय तथा चन्द्रशेखर आजाद हाऊस तृतीय स्थान पर रहे। फुटबाल प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में सुभाष चन्द्र बोस हाऊस ने प्रथम तथा सरोजनी नायडू हाऊस ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। महिला वर्ग में राजगुरु हाऊस ने पहला तथा चन्द्रशेखर आजाद हाऊस ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वालीबाल प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में राजगुरु हाऊस ने पहला तथा लाला लाजपत राय हाऊस ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। महिला वर्ग में भी राजगुरु हाऊस ने पहला तथा लाला लाजपत राय हाऊस ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। बैडमिंटन प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में राजगुरु हाऊस ने पहला तथा लाला लाजपत राय हाऊस ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। टैनिस प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में दीपक मित्तल ने प्रथम, जसदीप सिंह ने द्वितीय तथा गजेन्द्र सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। महिला वर्ग में सपना प्रथम, वैशाली द्वितीय तथा प्रीति तृतीय स्थान पर रही। शतरंज प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में नितेश प्रथम, उमेश द्वितीय तथा राहुल तृतीय स्थान पर रहे। महिला वर्ग में महक ने पहला, कोमल रावल ने द्वितीय तथा अंकिता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में राजेश कुमार प्रथम, हरीश कुमार द्वितीय तथा सुशील कुमार तृतीय स्थान पर रहे। महिला वर्ग में नीरू प्रथम, वंदना द्वितीय तथा शैली ततीय स्थान पर रही।

पंजाब केसरी हिसार - 18/9/16

दीक्षांत समारोह में 175 छात्रों को मिलेगी डाक्टरेट की डिग्री

कुर्ता-पायजामा में छात्र व साड़ी में होंगी छात्राएं

बैठक की अध्यक्षता करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

हिसार, 20 सितम्बर (का.प्र.): गुजवि के 22 सितम्बर को होने वाले दीक्षांत समारोह में 175 छात्रों को डाक्टरेट की डिग्री दी जाएगी। इसके अलावा 226 विद्यार्थियों को संबंधित कोर्सों में प्रथम स्थान हासिल करने पर गोल्ड मैडल दिए जाएंगे। इसके अतिरिक्त कुल 2,370 विद्यार्थियों को स्नातक एवं स्नातकोत्तर की उपाधियां दी जाएंगी। चौ. रणबीर सिंह सभागार में होने वाले दीक्षांत समारोह में प्रदेश के राज्यपाल एवं विवि कुलाधिपति प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी मुख्यातिथि होंगे तथा वे इस दौरान दीक्षांत भाषण देंगे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि प्रदेश के शिक्षामंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा विशिष्ट अतिथि होंगे। दीक्षांत समारोह में रेलमंत्री सुरेश प्रभाकर प्रभु, आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर तथा आई.एस.ई.आर.वी.ई. की निदेशिका सरोज़ बाला को विवि द्वारा पीएच.डी. की मानद उपाधि दी जाएगी। समारोह की तैयारियों को लेकर विवि कमेटी हॉल में मंगलवार को कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की अध्यक्षता में बैठक हुई। दीक्षांत समारोह में पुरुषों के लिए सफेद पैंट-शर्ट या कुर्ता-पायजामा तथा काले रंग के जूते या शैंडल पहनना अनिवार्य है, जबकि महिलाएं सफेद रंग की साड़ी विशेष प्रकार के लाल बार्डर के साथ या सफेद सूट-सलवार पहन सकती हैं।

गैर-शिक्षक कर्मचारी संघ फुटबाल टीम रवाना

फुटबाल टीम का हौसला बढ़ाते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

हिसार, 20 सितम्बर (का.प्र.): गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार की गैर-शिक्षक कर्मचारी फुटबाल टीम चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में गैर-शिक्षक कर्मचारी फुटबाल टूर्नामैंट में भाग लेगी। फुटबाल टीम मंगलवार को टूर्नामैंट के लिए रवाना होने से पूर्व कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार से मिली। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने टीम को टूर्नामैंट के लिए शुभकामनाएं दी। विवि कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने भी टीम को शुभकामनाएं दी। विवि खेल निदेशक डा. शशि भूषण लुथरा ने बताया कि टूर्नामैंट का आयोजन 22 सितम्बर तक हकृवि में होगा। इस 3 दिवसीय प्रतियोगिता में हकृवि की ए एवं बी टीमें, गुजवि की टीम तथा लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय की टीमें भाग ले रही हैं। खेल निदेशालय की देखरेख में तैयार की गई गुजवि की गैर-शिक्षक कर्मचारी फुटबाल टीम में कैप्टन डा. एस.बी. लुथरा सहित बृजलाल, सुरेश, कमलदीप नैन, डा. सुनील, विनोद वर्मा, संदीप गौरी, नीरज राधू, राम पाल, पवन, सुनील, दीपक, संदीप राणा, अजीत सिंह, बारू राम व कंवर सिंह शामिल हैं। टीम के साथ टीम मैनेजर सहायक खेल निदेशक मृनालिनी नहरा व कोच विनोद कुमार जा रहे हैं। समारोह के संचालन को लेकर 20 कमेटियों का गठन किया गया है।

पंजाब केसरी हिसार 21/9/16

सुरेश प्रभु, श्रीश्री रवि शंकर व सरोज बाला को गुजवि देगा मानद डिग्री

हिसार: दीक्षांत समारोह बैठक की अध्यक्षता करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

हिसार/20 सितंबर/रिपोर्टर

गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार का चौथा दीक्षांत समारोह 22 सितंबर को विश्वविद्यालय के चौ. रणबीर सिंह सभागार में होगा। राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी मुख्यातिथि होंगे तथा दीक्षांत भाषण देंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा विशिष्ट अतिथि होंगे। दीक्षांत समारोह में रेलमंत्री सुरेश प्रभाकर प्रभू, गुरुदेव श्रीश्री रविशंकर तथा आरवीई की निदेशिका सरोज बाला को विश्वविद्यालय द्वारा पीएचडी की मानद उपाधि दी जाएंगी। दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर विश्वविद्यालय के कमेटी हॉल में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की अध्यक्षता में बैठक हुई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर भी उपस्थित रहे।

दीक्षांत समारोह में 175 पीएचडी की उपाधियां तथा 226 विद्यार्थियों को संबंधित कोर्सों में प्रथम स्थान हासिल करने पर गोल्ड मैडल दिए जाएंगे। इसके अतिरिक्त कुल 2370 विद्यार्थियों को स्नातक एवं स्नातकोत्तर की उपाधियां दी जाएंगी। दीक्षांत समारोह की रिहर्सल 21 सितम्बर को सुबह 9.30 बजे विश्वविद्यालय के सभागार के मेन हाल में होगी। डिग्री प्राप्त करने वाले पुरुषों के लिए सफेद पैंट-शर्ट या कुर्ता पाजामा तथा काले रंग के जूते या शेंडल पहनना अनिवार्य है, जबकि महिलाएं सफेद रंग की साड़ी विशेष प्रकार के लाल बार्डर के साथ या सफेद सूट सलवार पहन सकती हैं।

नभ धोर 20/9/16

जीजेयू में चौथा दीक्षांत समारोह आज : 226 स्टूडेंट्स को गोल्ड और 2370 को डिग्रियां मिलेंगी

हिसार | जीजेयू में गुरुवार को चौथा दीक्षांत समारोह होगा। इसमें माननीयों के हाथों डिग्रियां ले सम्मानित होने के अवसर पर व्यवस्था बनी रहे, इसके लिए बुधवार को रिहर्सल की गई। रिहर्सल से ज्यादा पूर्व विद्यार्थी एक दूसरे से बात करने में ज्यादा रुचि दिखाते नजर आए। लंबे समय के बाद सहपाठियों को देखकर हर किसी के चेहरे पर एक अलग ही चमक थी।

रेलवे मंत्री प्रभु और राज्यपाल सोलंकी करेंगे शिरकत, श्री-श्री रविशंकर का दौरा रद्द

दीक्षांत समारोह में पहले जहां रेलवे मंत्री सुरेश प्रभु, श्रीश्री रविशंकर, शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा, राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी, आईआरएस सरोज बाला के शिरकत करने की बात थी, वहीं अब श्रीश्री रविशंकर और शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा का आना रद्द हो गया है। माना जा रहा है कि समारोह में सीपीएस डॉ. कमल गुप्ता भी आएंगे। समारोह में जो भी माननीय आएंगे, उनके स्वागत के लिए जीजेयू में खास और विशेष तरह की तैयारियां की गई हैं। संबंधित खबर पेज- 5 पर

जीजेयू में दीक्षांत समारोह की रिहर्सल में विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान करते वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार।

कार्यक्रम ▪ सुबह 10 बजे, जीजेयू के ऑडिटोरियम में | 226 गोल्ड मेडल | 175 पीएचडी | 2370 डिग्री | 1000 ने कराया रजिस्ट्रेशन

दैनिक भास्कर 22/9/16

'प्रभु' आज बनेंगे डॉक्टर, देंगे कई सौगात

गुजवि में रेलमंत्री सहित आइ-एसईआरवीई की निदेशक को भी दी जाएगी डाक्टरेट की उपाधि

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय का चौथा दीक्षांत समारोह बृहस्पतिवार को होगा। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा के राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी मौजूद रहेंगे। वहीं एलुमिनी को केंद्रीय रेलमंत्री सुरेश प्रभाकर प्रभु का आशीर्वाद मिलेगा। समारोह में स्वास्थ्य ठीक नहीं होने के कारण श्रीश्री रवि शंकर और शिक्षामंत्री राम बिलास शर्मा समारोह में भाग नहीं लेंगे। तैयारी के लिए बुधवार को चौ. रणबीर सिंह ऑडिटोरियम में रिहर्सल की गई। इसमें 1177 विद्यार्थियों को डिग्री दी जाएगी, जिसमें 175 पीएचडी की उपाधियां तथा 226 विद्यार्थियों को संबंधित कोर्सों में प्रथम स्थान हासिल करने पर गोल्ड मेडल दिए जाएंगे।

विश्वविद्यालय बनने के बाद यह चौथा दीक्षांत समारोह है। समारोह में विशेष रूप से राज्यपाल व रेल मंत्री को बुलाया गया है। इसमें रेलमंत्री और आइ-एसईआरवीई की निदेशक सरोज बाला को मानद उपाधि से नवाजा जाएगा। समारोह से पूर्व बुधवार को ऑडिटोरियम में रिहर्सल की गई। इसमें कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, रजिस्ट्रार डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने रिहर्सल करवाई। रिहर्सल के दौरान बुलाए गए विद्यार्थियों को संबंधित विभागों के प्राध्यापक साथ लेकर स्टेज तक पहुंचे। विद्यार्थियों को समारोह के दौरान किस साइड से डिग्री लेने के लिए आना है इसकी जानकारी दी गई।

सफेद रंग में दिखेगा ऑडिटोरियम

दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों से लेकर कर्मचारी व अधिकारी सभी सफेद रंग में दिखाई देंगे। ड्रेस कोड के रूप में सफेद कुर्ता पाजामा, पेंट शर्ट व काले रंग के जूते या सैंडल डालना अनिवार्य होगा। वहीं लड़कियां सफेद रंग की साड़ी विशेष प्रकार के लाल बार्डर के साथ या सफेद सूट सलवार पहन सकती है। समारोह के सफल संचालन के लिए 20 कमेटियों का गठन किया गया है।

...र लगाई सात कुर्सी

... वाले समारोह को लेकर ...की सात कुर्सी लगाई ...र्ट की कमेटी के सदस्य बैठेंगे। मंच पर राज्यपाल, रेलमंत्री, कुलपति, रजिस्ट्रार, कंट्रोलर ऑफ एग्जामिनेशन, आइ-एसईआरवीई की निदेशक बैठेंगी।

गुंजवि के चौधरी रणबीर सिंह सभागार के बाहर चलते रंग-बिरंगे फव्वारे।

दीक्षांत समारोह की रिहर्सल के दौरान छात्राओं को बैठाती शिक्षक।

काले कपड़ों पर रहेगा बैन

समारोह में आने वाले विद्यार्थी, अधिकारी व कर्मचारी काले रंग का कपड़ा व अन्य सामान नहीं ला सकेंगे। सुरक्षा की दृष्टि से इस पर बैन लगाया गया है। इसी प्रकार जूते भी विद्यार्थियों फीत्ते वाले डाले होंगे।

ओडीएम के 11 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल

दीक्षांत समारोह में गुजवि के संस्थान ओडीएम के 11 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल मिलेगा। इसमें एमबीए की शैली, स्वाति, एमकॉम की मंजीत कौर, एमसीए की नीतू, प्रियंका, एमआइबी की अभिषेक, तरूण ठाकुर, मैथ की चंचल, प्रोमिला और सीमा, बीबीए की दिव्या शामिल हैं। संस्थान के डायरेक्टर अजीत सिंह ने बताया कि उनके लिए यह हर्ष की बात है कि संस्थान के विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल मिल रहा है। उनकी कोशिश रहती है कि विद्यार्थी आगे बढ़े। यह विद्यार्थियों की मेहनत का परिणाम है कि इतने छात्र इस दौड़ में है।

हिसार रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करते हुए अधिकारी।

दैनिक जागरण 22/9/16

हिसार-सिरसा पैसेंजर अब चार और स्टेशनों पर रुकेगी

हिसार : हिसार-सिरसा के बीच चार नए हाल्ट पर लुधियाना-सिरसा ट्रेन का ठहराव होगा। इसका ऐलान वीरवार को रेलमंत्री सुरेश प्रभु करने वाले हैं। इसके बाद रेलगाड़ी का न्योली कलां, खाबड़ा, जोधकां व मेहूवाला मेंभी ठहराव शुरू हो जाएगा। सांसद दुष्यंत ने इस संबंध में रेलवे को 27 अक्टूबर 2015 को पत्र लिखा था। सांसद ने इसके लिए केंद्रीय रेलमंत्री का आभार जताया है।।

लुधियाना पैसेंजर को भिवानी के लिए दिखाएंगे झंडी

रेलमंत्री सुरेश प्रभु हिसार और लुधियाना के बीच चलने वाली पैसेंजर गाड़ी को भिवानी तक विस्तार देकर झंडी दिखाएंगे। यह गाड़ी लुधियाना से सुबह पांच बजे चलकर दोपहर 1.40 बजे भिवानी पहुंचेगी और शाम 4 बजे भिवानी से वापस रवाना होगी।

'प्रभु' से होगी मांगों पर 'अरदास'

सुरेंद्र सोढी, हिसार

भला 'प्रभु' आएं और इच्छाएं प्रबल न हों, ऐसा कैसे हो सकता है। अपने-अपने हिस्से की अरदास लिए सभी तैयार हैं। बेशक मांगें रेलवे से जुड़ी हैं, सो पूरी होने की भी आस है। रेलवे प्रशासन अपने 'प्रभु' आगमन पर स्वागत की तैयारी में जी-जान से जुटा है तो दूसरी ओर सांसद, विधायक, जनसंगठन और नगर के प्रबुद्ध मांगें पूरी करवाने को बेताब हैं।

30 मिनट के 30 बंदोबस्त

रेलमंत्री सुरेश प्रभु महज आधा घंटा रेलवे स्टेशन पर रहेंगे। रेलवे के 30 आला अधिकारियों का काफिला, तीस के करीब ऐसे बंदोबस्त जिनमें नाश्ता, पेयजल, बर्तन, डस्टबीन, अस्थायी शौचालय, स्पेशल कैमरे, सुरक्षा, पांडाल व्यवस्था, आगमन मार्ग आदि पर योजनाबद्ध काम किया गया है। जीएम, डीआरएम, सीनियर डीसीएम, डीआईजी, आरपीएफ, एसपी व अन्य अधिकारियों का काफिला एक दिन पहले ही पहुंच चुका है।

मेरी चार प्रमुख मांगे है, जिनमें निरंकारी भवन रोड के रेलवे फाटक पर आरयूबी और तेल डिपो फाटक पर ओवरब्रिज की मांग शामिल है। साथ ही सूर्यनगर रेलवे फाटक पर ब्रिज व हिसार से दिल्ली का रेलवे रूट हांसी-महम-रोहतक करने की मांग रखेंगे।

–डा. कमल गुप्ता, सीपीएस एवं विधायक।

मेरी ओर से कुछ मांगे हैं, जो रेलमंत्री के समक्ष रखीं जाएंगी। इनमें हिसार अग्रोहा, हांसी रोहतक, हांसी-जींद वाया नारनौंद और उकलाना-नरवाना रेल लाइनों पर काम शुरू करवाने। हिसार से चंडीगढ़ औरगुड़गांव के लिए भी डेमू ट्रेन चलाने। पुरी से नई दिल्ली चलने वाली पुरूषोत्तम एक्सप्रेस को हिसार तक विस्तार देने के साथ लोकसभा क्षेत्र से जुड़ी 18 अन्य मांगे शामिल हैं।

–दुष्यंत चौटाला, सांसद।

श्लोकों से हुआ दीक्षांत समारोह का आगाज

सफेद रंग के ड्रैस कोड में ली छात्र-छात्राओं ने डिग्री

दीक्षांत समारोह के दौरान डिग्री लेने पहुंची छात्राएं व डिग्री प्रदान करते राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी। (नारंग)

हिसार, 22 सितम्बर (का.प्र.): गुजवि का चौथा दीक्षांत समारोह वीरवार को संस्कृत श्लोकों के साथ शुरू हुआ। श्लोकों के उच्चारण के साथ मुख्यातिथि राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी को रजिस्ट्रार डा. अनिल पुंडीर व विभिन्न विभागों के डीन की अगुवाई में प्रोसैशन द्वारा ऑडिटोरियम में मंच तक लाया गया।

वहीं अक्सर दीक्षांत समारोह में पहने जाने वाली परंपरागत काली ड्रैस को बदल कर सभी के लिए सफेद रंग का ड्रैस कोड बनाया गया था। तमाम छात्रों ने सफेद कपड़ों में डिग्री हासिल की। अधिकांश छात्र सफेद कमीज-पैंट में थे तो काफी ऐसे भी थे जो सफेद रंग का कुर्ता-पायजामा पहन कर आए थे।

वहीं महिलाओं ने सफेद रंग की साड़ी व सूट में अपनी डिग्री ली। सभी ने गले में जरूर पीले, भगवा व हरे रंग के पटके डाले थे। कुलाधिपति प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी ने जहां छात्रों को राष्ट्र के लिए कार्य करने का आह्वान किया वहीं विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने स्वागत सम्बोधन में गुजवि की उपलब्धियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि गुजवि को लगातार नैक द्वारा 3 बार 'ए' ग्रेड मिलना तथा देश व प्रदेश में प्रथम स्थान मिलना यहां के शिक्षक तथा गैर-शिक्षक कर्मचारियों के समर्पण भाव का परिणाम है।

वानाराई एन.जी.ओ. एवं चैरीटेबल ट्रस्ट अध्यक्ष रविंद्र धारिया को मधु भसीन अवार्ड दिया गया। मंच संचालन प्रो. ज्योत्सना ने किया। समारोह में सी.पी.एस. डा. कमल गुप्ता, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के कुलपति प्रो. बी.के. पूनिया, हिसार के आयुक्त राजीव रंजन, लुवास के कुलपति मेजर जनरल रिटायर्ड श्रीकांत शर्मा, हकृवि के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह, पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक के कुलपति डा. ओ.पी. कालड़ा, गुजवि के पूर्व कुलपति डा. आर.पी. बाजपेयी व डा. आर.आर. फुलिया, जिला उपायुक्त निखिल गजराज, एस.पी. अश्विन शैणवी व कई अन्य मौजूद थे।

पंजाब केसरी हिसार 23/9/16

राष्ट्र को बदनाम करने की बात होती है तो पूरे राष्ट्र को पीड़ा होनी चाहिए : सोलंकी

राज्यपाल ने दीक्षांत समारोह में छात्रों को करवाया देश का ऋण उतारने का बोध

हिसार, 22 सितम्बर (का.प्र.): राज्यपाल एवं विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी ने कहा है कि अगर कहीं राष्ट्र को बदनाम करने वाली बात होती है तो पूरे राष्ट्र को इस बात की पीड़ा होनी चाहिए। राष्ट्र एक विचार है, उसे हर किसी की सोच में शामिल होना चाहिए। जिस तरह आंख पर कुछ लगता है तो मुंह से चीख और हाथ खुद ऊपर उठता है, ठीक उसी तरह समाज और देश के साथ भी होना चाहिए। वे गुरुजम्भेश्वर विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के दौरान अपना दीक्षांत भाषण दे रहे थे। उन्होंने डिग्री लेने आए छात्रों को देश के प्रति अपने ऋण का बोध करवाया। कहा समाज और परिवार के महत्व को समझते हुए सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति भी सजग रहे। उन्होंने कहा कि समाज और देश ने ही उन्हें यह अवसर प्रदान किया है कि आप उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें। अन्यथा

रेलमंत्री को डाक्टरैट की मानद उपाधि देते प्रो. कप्तान सोलंकी। (नारंग)

ऐसा अवसर अपने देश में बहुत कम मिलता है। उन्होंने कहा कि देश भर की करीब 700 यूनिवर्सिटी में पढ़ने वालों की संख्या अढ़ाई करोड़ मिलेगी। सभी को उच्च शिक्षा का अवसर नहीं मिलता। कहा कि समाज और देश को अपने युवाओं से बहुत अपेक्षाएं हैं। स्वामी विवेकानंद के कथन का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने कहा था कि शिक्षा का मतलब यह नहीं है कि ज्ञान आपके दिमाग में कूट-कूट कर भर दिया जाए। शिक्षा का सही उद्देश्य यह है कि आप सही अर्थों में मनुष्य बनिए। हर व्यक्ति की उसकी अपनी विशेषता, चरित्र तथा गुणवत्ता होनी चाहिए। मनुष्य जब समाज में आता है तो उसका व्यक्तित्व अलग से दिखना चाहिए। जीवन में अनुशासन पर बल दिया। कोड ऑफ कंडक्ट नहीं निभाते हैं तो समाज के लिए सही नहीं है। काम को ही पूजा मानिए। 21वीं शताब्दी का भारत फिर से खड़ा हो रहा है। समाज के प्रति अपने ऋण को उतारने के लिए आगे बढ़िए। इस अवसर पर कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, रजिस्ट्रार डा. अनिल पुंडीर, मदवि के कुलपति प्रो. बी.के. पूनिया, हकृवि के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह, लुवास के कुलपति रिटायर्ड मेजर जनरल श्रीकांत शर्मा, पं. भगवत दयाल शर्मा यूनिवर्सिटी ऑफ हैल्थ साइंसिज रोहतक कुलपति डा. ओ.पी. कालरा व कई अन्य मौजूद थे।

प्रभु और सरोज बाला बने डाक्टर

समारोह के दौरान केंद्रीय रेलमंत्री सुरेश प्रभाकर प्रभु तथा आई सर्व की निदेशक सरोज बाला को डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान की गई। इस दौरान 105 विद्यार्थियों को पी.एस.डी. तथा 135 को स्वर्ण पदक से नवाजा गया। इसके अलावा 845 स्नातक व स्नातकोत्तर डिग्री प्रदान की गई।

गुजवि का दीक्षांत समारोह आयोजित, राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी थे मुख्य अतिथि

आने वाला समय भारतीयों का

राज्यपाल ने कहा, देश और समाज की तरक्की के लिए करें उच्च शिक्षा का उपयोग। यदि व्यक्ति के मन में समाज और देश के प्रति जिम्मेदारी का भाव न हो तो उसका शिक्षा प्राप्त करना व्यर्थ है।

हरिभूमि न्यूज. हिसार

हिसार। गुजवि के दीक्षांत समारोह में डिग्रियां देते राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी। फोटो : हरिभूमि

कश्मीर में व्याप्त तनाव की ओर इशारा करते हुए राज्यपाल सोलंकी ने कहा कि जिस प्रकार पूरा शरीर एक है और इसके एक अंग को होने वाली पीड़ा सभी अंगों को पीड़ा देती है, उसी प्रकार हमारा राष्ट्र पुरुष भारत देश भी एक है। ऐसा भाव देश के हर नागरिक में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब संयुक्त राष्ट्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोलते हैं तो इस भाव से बोलते हैं कि उनके माध्यम से पूरा भारत बोल रहा है। निश्चित ही आने वाला समय हम भारतीयों का होगा।

वह गुजवि के चौथे दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा का मुख्य उद्देश्य व्यक्ति में मानवीय गुणों का विकास करना है। यदि व्यक्ति के मन में समाज और देश के प्रति जिम्मेदारी का भाव न हो उसका शिक्षा प्राप्त करना व्यर्थ है।

उन्होंने कहा कि परिवार, समाज और राष्ट्र को युवाओं से बहुत सी अपेक्षाएं हैं। स्वामी विवेकानंद ने भी कहा था कि सही अर्थों में मानव गुण विकसित करना शिक्षा का मुख्य उद्देश्य होना चाहिए।

राज्यपाल प्रो. सोलंकी ने युवाओं से आह्वान किया जब वे समाज की धारा में शामिल हों तो उनका व्यक्तित्व अलग से दिखना चाहिए तभी उनके द्वारा प्राप्त की गई शिक्षा का महत्व है। उन्होंने कहा कि आपके परिवार व समाज का ऋण आपकी यहां तक की यात्रा की सफलता का आधार है। शिक्षा पूर्ण होने पर गुरु दक्षिणा मांगने की परंपरा निभाई जाए तो समाज व देश के प्रति अपने कर्तव्य का सच्चाई से निर्वहन करना ही आपके द्वारा दी जाने वाली गुरु दक्षिणा होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि 21वीं शताब्दी में ऐसे लोगों की आवश्यकता है जिनके मन में और व्यवहार में राष्ट्रीयता की भावना झलके। जब हम सब भारत के घटक बनेंगे तभी देश सच्चे अर्थों में फिर से विश्वगुरु बनेगा।

116 में से 103 छात्र पहुंचे मेडल लेने

गुजवि दीक्षांत समारोह में करीब एक हजार विद्यार्थियों ने डिग्रियां व मेडल प्राप्त किए। समारोह में 105 विद्यार्थियों ने पीएचडी की डिग्री प्राप्त की। जबकि विवि से बीते चार वर्षों में 175 ने पीएचडी की डिग्री हासिल की है। विवि की तरफ से दिए जाने वाले 226 गोल्ड मेडल में से 103 विद्यार्थियों ने समारोह में मेडल प्राप्त किए। इसके अलावा पीजी के 507 और यूजी के 338 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गई।

समारोह में ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर मुख्य संसदीय सचिव डा. कमल गुप्ता, गुजवि रजिस्ट्रार डा. अनिल पुंडीर, प्रो. कुलदीप बंसल, लुवास के कुलपति श्रीकांत शर्मा व पूर्व कुलपति आरपी वाजपेयी आदि मौजूद थे।

डिग्री लेते ही चले गए प्रभु

रेल मंत्री सुरेश प्रभु को गुजवि द्वारा पीएचडी की मानद उपाधि प्रदान की गई। रेल मंत्री को दीक्षांत समारोह के आरंभ होने पर सबसे पहले राज्यपाल एवं कुलाधिपति प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी द्वारा उपाधि प्रदान की गई। रेल मंत्री उपाधि प्रदान करने के तुरंत बाद समारोह से चले गए। उनको किसी जरूरी कार्य से समारोह छोड़ना पड़ा। श्रीश्री विश्वविद्यालय कटक ओडिसा के कुलाधिपति को भी मानद उपाधि दी जानी थी लेकिन किसी कारणवश वे समारोह में नहीं पहुंच पाए।

गुजवि देशभर में 21वें स्थान पर

गुजवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि गुजवि की रैंकिंग देश के सभी विश्वविद्यालयों में 21वीं हैं। जो पूरे प्रदेश के लिए गौरव की बात है। उन्होंने विश्वविद्यालय के 21 वर्षों की यात्रा का वर्णन करते हुए बताया। उन्होंने बताया कि 2002 से लगातार ए ग्रेड की स्थिति में रहे इस विवि में 49 नियमित तथा 16 दूरवर्ती पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

सबका नहीं होता पूरा सपना

राज्यपाल ने कहा कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने का सपना सबका पूरा नहीं होता। देशभर में करीब 700 विश्वविद्यालय हैं और यहां करीब 2.50 करोड़ विद्यार्थी ही शिक्षा ले रहे हैं। यहां से डिग्री पाने वाले हर युवा का मकसद समाज और देश की तरक्की में योगदान देना होना चाहिए। केवल पढ़-लिख लेना और डिग्री पाना ही शिक्षा का उद्देश्य नहीं है बल्कि आपके माध्यम से समाज में बदलाव आए, यह अधिक महत्वपूर्ण है।

हरि भूमि 23/9/16

इन तस्वीरों को संजोए रखना, यादों को दिल में बसाए रखना

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह डिग्री लेने आए विद्यार्थियों ने काफी असमंजस वाला रहा।

- दीक्षांत समारोह में प्रभु रहे मौन
- अंत में कुलपति ने दी डिग्री

समारोह में पहले करीब पौना घंटा रेलमंत्री सुरेश प्रभाकर प्रभु देरी से पहुंचे। वहीं बाद में वह मानद उपाधि मिलने के बाद वहां से चले गए। राज्यपाल ने भी सिर्फ पीएचडी वाले विद्यार्थियों को डिग्री दी। उसके बाद वह भी निकल लिए। इस दौरान विद्यार्थी तो डिग्री पाकर काफी खुश थे लेकिन माननीय के हाथ से डिग्री लेने का सपना रह गया। अंत में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भी गोल्ड मेडलिस्ट और बाकी विद्यार्थियों को डिग्री दी। विश्वविद्यालय की तरफ से 2010 में पिछला दीक्षांत समारोह आयोजित किया था। उसके बाद वृहस्पतिवार को समारोह हुई। इसमें विशेष रूप से राज्यपाल, रेलमंत्री, शिक्षा मंत्री, श्रीश्री रविशंकर सहित आइ-एसईआरटीई निदेशक को बुलाया गया।

पहले रेलमंत्री और आइ-एसईआरटीई निदेशक को मानद उपाधि दी गई। इसके बाद रेलमंत्री कुछ भी बोले बिना चले गए। बाद में राज्यपाल ने पीएचडी की डिग्री बांटी। इसके बाद भाषण हुआ और वह भी चले गए। दोनों माननीय के जाने से विद्यार्थी थोड़ा दुखी हुई। कारण था उनके हाथों से डिग्री लेने का सपना उनका अधूरा रह गया।

गुजवि में दीक्षांत समारोह के दौरान सेल्फी लेती छात्राएं। जागरण

दोस्तों संग ली सेल्फी

पुराने दोस्तों से मिलकर जहां सभी विद्यार्थी खुश थे। वहीं वह अपनी इन यादों को अपने मोबाइल में सेल्फी के जरिए कैद कर रहे थे। वह अपने हर पल को अपने साथ ले जाने में लगे थे। साथ खाना। घूमे और शाम को अलग हुए।

काफी ज्यादा अच्छा लग रहा है। डिग्री लेने की दिल में होता तो सपना आज पूरा हुआ।
-सुशीला, विद्यार्थी।

दोस्तों से मिलने का मौका मिला। डिग्री पूरी होने के बाद वह दूसरी जगह चले गए। पुराने साथी मिले है।
-सुरभि, विद्यार्थी।

अपने विश्वविद्यालय में आकर अच्छा लग रहा है। यहां काफी साल काटे। अब इस दौरान सभी मिले है।
-वनिका, विद्यार्थी।

पीएचडी पूरी हो गई। अब कोशिश रहेगी कि वह समाज के लिए भी काम करें। पुराने साथियों से मिलकर अच्छा लग रहा है।
-नुपुर, विद्यार्थी।

पीएचडी पूरी होने के बाद डिग्री लेते हुए अच्छा लग रहा है। काफी सालों से अलग हुए साथियों से भी मिले है।
-कृष्ण यादव।

माननीय के साथ डिग्री मिलती तो और बेहतर होता। लेकिन कुलपति से लेकर वह खुश है। डिग्री के साथ उनको पुराने दोस्त भी फिर से मिल गए।
-मोना, विद्यार्थी।

माननीय के साथ डिग्री लेकर अच्छा लग रहा है। काफी कुछ सीखने को मिला। जो काम किया है उसको वह आगे भी बढ़ाएंगी।
- प्रज्ञा कौशिक।

डिग्री लेने का उत्साह है। दोस्तों से भी मिले। राज्यपाल, रेलमंत्री से मिलती तो और अच्छा होता। लेकिन अच्छा लग रहा है।
-सोनल, विद्यार्थी।

सालों बाद वह विश्वविद्यालय में आए है। पुराने साथी मिले। अब सबसे संपर्क में रहेंगे। यह मौका काफी अच्छा था।
शबनम, विद्यार्थी।

दैनिक जागरण 23/9/16

रेल मंत्री व सरोज बाला को मानद उपाधि

गुजवि दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्यातिथि रेल मंत्री और राज्यपाल कप्तान सिंह सौलंकी पहुंचे

रेलमंत्री प्रभु को मानद उपाधि प्रदान करते राज्यपाल व कुलपति टंकेश्वर कुमार तथा (दाएं) समारोह में उपाधि लेने आए विद्यार्थी।

एक हजार से अधिक को मिली डिग्रियां व मैडल

हिसार, 22 सितंबर (सिया) : शिक्षा का मुख्य उद्देश्य व्यक्ति में मानवीय गुणों का विकास करना है। यदि व्यक्ति के मन में समाज और देश के प्रति जिम्मेदारी का भाव न हो उसका शिक्षा प्राप्त करना व्यर्थ है। यह बात हरियाणा के राज्यपाल व गुजवि के कुलाधिपति प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी ने गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में आयोजित विवि के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्यातिथि विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने केंद्रीय रेल मंत्री सुरेश प्रभाकर प्रभु व वेदों पर वैज्ञानिक शोध संस्थान की निदेशक सरोज बाला को पी.एच.डी. की मानद उपाधि प्रदान की। कार्यक्रम में 105 विद्यार्थियों को पीएचडी, 507 विद्यार्थियों को पीजी व 338 को यूजी की उपाधियां प्रदान की गईं। विभिन्न पाठ्यक्रमों में टॉप करने वाले 103 विद्यार्थियों को गोल्ड मैडल भी प्रदान किए गए।

अपने संबोधन में कुलाधिपति एवं राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी ने युवाओं से कहा कि हर व्यक्ति का उच्च शिक्षा प्राप्त करने का सपना पूरा नहीं हो पाता है। इसलिए यहां से डिग्री पाने वाले हर युवा का मकसद समाज और देश की तरक्की में योगदान देना होना चाहिए। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया जब वे समाज की धारा में शामिल हों तो उनका व्यक्तित्व अलग से दिखना चाहिए तभी उनके द्वारा प्राप्त की गई शिक्षा का महत्व है। गुजवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने समारोह में आए अतिथियों का स्वागत करते हुए उन्हें विश्वविद्यालय की गतिविधियों व उपलब्धियों की जानकारी दी। इस अवसर पर मु य संसदीय सचिव डॉ. कमल गुप्ता, गुजवि रजिस्ट्रार डॉ. अनिल पुंडीर, प्रो. कुलदीप बंसल, लुवास के कुलपति श्रीकांत शर्मा व पूर्व कुलपति आरपी वाजपेयी भी मौजूद थे।

दैनिक सवेरा टाईम्स 23/9/16

जो लाइव नहीं देख पाए वो इंटरनेट पर देखें दीक्षांत समारोह

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार।

जो विद्यार्थी जीजेयू में हुए दीक्षांत समारोह का लाइव प्रसारण नहीं देख पाए वे विवि की वेबसाइट पर जाकर समारोह का प्रसारण देख सकते हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने दीक्षांत समारोह की वीडियो विवि की वेबसाइट पर डाल दी है। वेबसाइट पर संबंधित लिंक पर जाकर दीक्षांत समारोह का प्रसारण देखा जा सकता है। 22 सितंबर को जीजेयू में दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया था, जिसमें रेलमंत्री सुरेश प्रभु और सरोज बाला को भी डिग्री दी गई थी।

विवि प्रशासन ने वेबसाइट पर डाली समारोह की रिकॉर्डिंग

समारोह में विवि के कुलाधिपति और प्रदेश के राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी और कुलपति टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को डिग्रियां बांटी थी। लेकिन इस मौके पर बड़ी संख्या में विद्यार्थी डिग्री लेने के लिए नहीं आ सके थे। हालांकि विवि ने उन विद्यार्थियों की सुविधा के लिए दीक्षांत समारोह का लाइव प्रसारण करवाया था। लेकिन फिर भी जो विद्यार्थी समारोह नहीं देख पाए थे। उनके लिए विवि प्रशासन ने समारोह की वीडियो शुक्रवार को इंटरनेट पर डाल दी। विद्यार्थी जीजेयू की वेबसाइट पर जाकर संबंधित लिंक पर जाकर इस वीडियो को देख सकते हैं।

1000 विद्यार्थी ही आ पाए थे समारोह में

जीजेयू के दीक्षांत समारोह में करीब 2700 विद्यार्थियों को निमंत्रण पत्र भेजा गया था। लेकिन केवल एक हजार के करीब विद्यार्थी ही समारोह में डिग्री लेने के लिए आ सके थे। इसीलिए जो विद्यार्थी नहीं आ पाए थे उनके लिए समारोह का लाइव प्रसारण किया गया था।

अमर उजाला 25/9/16

प्रतिभा : अपने सपनों को दीवारों पर उकेर रहा छात्र, शिक्षक खोज रहे प्रतिभावान छात्र को

रंगों से गुजवि को सजा रहा गुमनाम कलाकार

सुनील बैनीवाल, हिसार

गुजवि की बेजान दीवारों को जीवंत करने में इन दिनों एक युवा जुटा है। यह गुमनाम कलाकार रंगों को हाथों में थामे गुजवि की दीवारों पर चित्रकारी कर रह रहा है। दीवारों पर बनी चित्रकारी को देखकर शिक्षक भी हैरान हैं। वह दीवारों पर चित्रकारी करने वाले छात्र को एक महीने से खोज रहे हैं, मगर छात्र प्रशासनिक कार्रवाई के डर से आगे नहीं आ रहा है। इसके बावजूद विवि के विभिन्न विभागों के शिक्षक छात्र को खोज रहे है, ताकि उसे सम्मानित कर सकें। साथ ही उसके हुनर से विवि को और अधिक सुंदर बना सकें।

छात्र द्वारा बनाई गई वाल पेंटिंग।

पिछले एक महीने से एक युवा कलाकार गुजवि की दीवारों पर वॉल पेंटिंग बना रहा है। पेंटिंग भी ऐसी की हर कोई देखकर दीवाना हो जाता है। विवि में युवा कलाकार ने दो पेंटिंग पिछले दिनों बनाई थी। जो इन दिनों विवि में चर्चा का विषय बनी हुई है। हालांकि साइकोलॉजी विभाग के प्रोफेसर के दरवाजे पर बनाई गई पेंटिंग पर प्रशासन ने दोबारा पेंट करवा दिया। वहीं स्पोर्ट विभाग की दीवारों पर अब भी पेंटिंग शोभा बढ़ा रही है। दोनों की पेंटिंग वट्सएप से लेकर फेसबुक तक पर वायरल हो चुकी है। ऐसे में शिक्षक छात्र की खोज में लगे हुए है।

छात्र द्वारा बनाई गई वाल पेंटिंग।

कब बनाई पेंटिंग किसी को नहीं पता

छात्र ने कब चुपके से विवि की दीवारों पर अपनी कला का प्रदर्शन कर दिया। इसके संबंध में कोई नहीं जानता है। दोनों पेंटिंग में एक दूसरे से बिल्कुल अलग है। एक जहां पेड़ पौधों से जुड़ी है, दूसरी आधुनिकता को प्रदर्शित करती है।

छात्र मिलेगा तो उससे सम्मानित करवाएंगे

साइकोलॉजी विभाग के प्रो. संदीप राणा का कहना है कि छात्र में बेहतरीन हुनर है। छात्र को कई दिनों से खोज रहे है। इसी प्रतिभा को सामने आना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह स्वयं उसे विवि प्रशासन से सम्मानित करवाएंगे। साथ ही विवि प्रशासन उसकी कला को बढ़ा देगा। विवि की बेजान दीवारों को छात्र की कला से जीवंत किया जाएगा।

दैनिक जागरण 27/9/16

जीजेयू के महारक्तदान शिविर में 1426 यूनिट रक्त एकत्र

हिसार, 28 सितम्बर (निस) : गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा महा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने अपने द्वारा ही स्थापित पहले रक्तदान शिविरों का रिकार्ड ध्वस्त कर नया रिकार्ड स्थापित किया है। शिविर में 1426 यूनिट रक्तदान किया गया। रक्तदाताओं में 272 लड़कियां शामिल थी। शिविर के मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार थे। अध्यक्षता कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने की। शिविर संचालन का नेतृत्व राष्ट्रीय सेवा योजना की समन्वयक प्रो. सुजाता सांघी ने किया। इस अवसर पर आयोजित राज्यस्तरीय रक्तदान शिविर में 'रक्तदान जीवन के प्रति उपहार' वर्ग प्रतियोगिता में प्रेरणा यादव ने पहला, प्रदीप ने दूसरा तथा भारती ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। 'भारत के स्वतंत्रता सेनानी' वर्ग में श्वेता ने पहला, सुषमा ने दूसरा, प्रियंका ने तीसरा तथा ममता को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। 'हरियाणा के पचास गौरवमयी वर्ष' वर्ग सुषमा को पहला, दिवांशी को दूसरा तथा सुप्रणा को तीसरा पुरस्कार दिया गया।

शहीदों को समर्पित मेराथन दौड़ का आयोजन

हिसार, 28 सितम्बर (निस) : गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में भारत के शहीदों को समर्पित मेराथन दौड़ का आयोजन विश्वविद्यालय के हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के सौजन्य से किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्यातिथि थे। मेराथन दौड़ रैंकर्स लांग, पीडीसीपीए हिसार, पंजाब नेशनल बैंक, बैस्ट सिक्योरिटी सिस्टम्स, फाइव बेमसे द्वारा प्रायोजित की गई। इस प्रतियोगिता में 25 वर्ष से कम आयुवर्ग के लड़कों की दौड़ में पवन ने पहला, कलस ने दूसरा तथा कन्हैया ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। लड़कियों की दौड़ में मंदीप ने पहला, संतोष ने दूसरा तथा नीरू ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। 25 वर्ष से 35 वर्ष आयुवर्ग के लड़कों की दौड़ में राजेश प्रथम, बजिन्द्र द्वितीय तथा राकेश तृतीय स्थान पर रहे। लड़कियों की दौड़ में नेहा यादव प्रथम, सुमन द्वितीय तथा कविता तृतीय स्थान पर रही। 35 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के लड़कों की दौड़ में शमशेर प्रथम, कमलदीप नैन द्वितीय तथा डा. एस.बी. लुथरा तृतीय स्थान पर रहे। लड़कियों की दौड़ में सुमन प्रथम, संतोष द्वितीय तथा सपनम तृतीय स्थान पर रही।

पाठक पक्ष- 28/9/16

गुजवि में इंटरनेशनल कांफ्रेंस 11 व 12 को

गुजवि में जुटेंगे देश और विदेश के साइक्लॉजिस्ट

यूनिवर्सिटी ऑफ पेन्सिलवेनिया के मनोवैज्ञानिक मार्टिन सेलिग्मैन भी लेंगे भाग

हरिभूमि न्यूज, हिसार

गुजवि में नवंबर माह में देश-विदेश की मनोवैज्ञानिक जुटेंगे। विवि के मनोविज्ञान विभाग और कम्युनिटी साइक्लॉजी एसोसिएशन ऑफ इंडिया के द्वारा 11 और 12 नवंबर को वृध एंड वेल बिंग विषय पर इंटरनेशनल कांफ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है।

कांफ्रेंस को लेकर मनोविज्ञान विभाग में तैयारियां चल रही हैं। देश के हर जाने माने मनोविज्ञान संस्थान को कांफ्रेंस के लिए निमंत्रण भेजा जा रहा है। इस कांफ्रेंस में युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर चर्चा होगी। सकारात्मक सोच के जरिए किस तरह से मानसिक स्वास्थ्य में सुधार हो सकता है। किशोरअवस्था की समस्याएं, युवाओं में हिंसा व नशे का प्रभाव आदि टॉपिक कार्यशाला में रखे जाएंगे। इंटरनेशनल कांफ्रेंस को अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ पेन्सिलवेनिया के मनोवैज्ञानिक मार्टिन सेलिग्मैन संबोधित करेंगे। वे विवि के मनोविज्ञान विभाग के चेयरमैन डा. संदीप राणा के साथ भी रिसर्च वर्क कर रहे हैं।

उम्मीद जताई जा रही है कि मार्टिन स्वयं विवि में उपस्थित होंगे। अगर किन्हीं कारणों से ऐसा नहीं हो पाता है तो उनका लाइव लेक्चर भी करवाया जा सकता है। उन्होंने पॉजीटीव साइक्लॉजी पर भी काफी काम किया है। दो दिन चलने वाली इस इंटरनेशनल कांफ्रेंस में पैनल डिस्कशन, तकनीकी सत्र और साइंटिफिक पेपर प्रजेंटेशन होंगे।

स्कूली शिक्षकों को मैंटल हेल्थ की दी जाएंगी जानकारी

इंटरनेशनल कांफ्रेंस के दूसरे दिन 12 नवंबर को शहर के स्कूली प्रिंसीपल और शिक्षकों को आमंत्रित किया जाएगा। जिसमें निजी व सरकारी स्कूलों के शिक्षक भाग ले सकते हैं। मनोवैज्ञानिकों द्वारा बच्चों की मैंटल हेल्थ के बारे में शिक्षकों को जानकारियां दी जाएंगी।छोटी उम्र में ही बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य सही बनाया जा सके।

कांफ्रेंस 11 व 12 को

साइक्लॉजी पर इंटरनेशनल कांफ्रेंस 11 और 12 नवंबर को आयोजित की जा रही है। कांफ्रेंस में अमेरिका समेत देशभर के बड़े साइक्लॉजी संस्थानों से वैज्ञानिक भाग लेंगे।

-डा. संदीप राणा
चेयरमैन, मनोविज्ञान विभाग, गुजवि

देशभर से आएंगे मनोवैज्ञानिक

इंटरनेशनल कांफ्रेंस के लिए देशभर के मनोवैज्ञानिक संस्थानों को निमंत्रण भेजा जाएगा।

आईआईटी, पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़, आईटी यूनिवर्सिटी जयपुर, जेएमआई यूनिवर्सिटी, पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला, गुरुकुल कांगड़ी हरिद्वार, यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू, एचपी यूनिवर्सिटी शिमला आदि से दिग्गज मनोवैज्ञानिक कांफ्रेंस में भाग लेंगे।

हरिभूमि- 30/9/16

सुविधा नए हॉस्टल में सोमवार से मिलेगा स्टूडेंट्स को प्रवेश, साफ-सफाई का रखा जाएगा खास ध्यान, मैस में मशीन गूथेगी आटा और मशीन से ही बनेगी रोटियां

जीजेयू के हॉस्टल-4 में स्टूडेंट्स को मिलेंगी होटल जैसी सुविधाएं

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू में तैयार ब्वायज हॉस्टल नंबर 4 में कई खूबियां हैं। हॉस्टल में ही स्टडिंग हॉल बनाया गया है। इसमें बैठकर स्टूडेंट्स पढ़ाई कर सकेंगे। लाइब्रेरी की तरह ही कुछ बुक आदि की व्यवस्था भी जीजेयू प्रशासन करवा सकता है। हॉस्टल में होटल जैसी सुविधाएं स्टूडेंट्स को मिलेंगी। बिजली-पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं के अलावा वाईफाई की भी सुविधा है। सोमवार से ही काउंसलिंग कर विद्यार्थियों को हॉस्टल में प्रवेश की अनुमति दे दी जाएगी। हॉस्टल में फिलहाल पीजी कोर्स के छात्रों को ठहराया जाएगा। हॉस्टल-4 में 120 कमरे हैं। यहां 360 छात्र रह सकेंगे।

स्टडी रूम बनाए जाने से ये होगा फायदा

जीजेयू में परीक्षाओं के दिनों में लाइब्रेरी में भीड़ उमड़ा रहती है। कई छात्रों को बैठने के लिए भी जगह नहीं मिल पाती है। ऐसे में सबसे बड़े हॉस्टल में स्टडी रूम बनाने से हॉस्टल के स्टूडेंट्स को फायदा होगा। वहीं छात्रों का लाइब्रेरी तक आने-जाने का समय भी बचेगा। इसके अलावा दो कॉमन रूम बनाए गए हैं, जिनमें बड़ी एलईडी टीवी लगाए जाएंगे। साथ फ्रिज व आरओ युक्त वाटर कूलर की सुविधा भी होगी।

हाइजेनिक किचन बनाने का काम शुरू

हॉस्टल-4 की किचन भी हाइली हाइजेनिक होगी। मैस में खाना बनाने से लेकर इसे परोसने तक का काम अत्याधिक साफ-सफाई के साथ होगा। आटा गूथने, चपाती बनाने और बर्तन साफ करने का काम मशीन से ही किया जाएगा। इससे साफ सफाई भी रहेगी तो साथ ही खाना भी गुणवत्ता के साथ मिल सकेगा। हाथ धोने के लिए बनाया जाना वाला वाशरूम में भी बेहतर तरीके से बनाया जाएगा

सोमवार से ओपन होने वाला सुविधाओं से परिपूर्ण हॉस्टल-4

गर्ल्स हॉस्टल का उद्घाटन 5 को होगा

जीजेयू में लड़कियों के छात्रावास नंबर-4 के अमृताक्षेपी भवन की फेज-दो इमारत का उद्घाटन 5 सितम्बर को प्रदेश के वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु करेंगे। वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि वित्तमंत्री शिक्षण खंड-8 व कंप्यूटर सेंटर का शिलान्यास करेंगे।

हॉस्टल अलॉट करने की मांग, सौंपा ज्ञापन

जीजेयू में नए ब्वायज व गर्ल्स हॉस्टल बने होने के बावजूद ये हॉस्टल स्टूडेंट्स को अलॉट नहीं किए जा रहे हैं। इस समस्या को लेकर जीजेयू इनसो की ओर से प्रधान हरिन्द्र बेनीवाल के नेतृत्व में रजिस्ट्रार को ज्ञापन सौंपा गया और समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान कराने की मांग की। रजिस्ट्रार ने स्टूडेंट्स को आश्वासन दिया है कि वे आगामी दो तीन दिनों में इस समस्या का समाधान कर देंगे।

हॉस्टल-4 होगा अपने आप में खास

हॉस्टल-4 में साफ सुथरे कमरे, स्टडी रूम, कॉमन रूम, हाइजेनिक किचन बनाने के काम को ग्रांट मिलने के साथ साथ विस्तारित किया जाता रहेगा। बीएच-2 रिसर्च बेस हॉस्टल बन सकेगा।

प्रो. एससी कुंडू, चीफ वार्डन, ब्वायज हॉस्टल, जीजेयू।

दैनिक भास्कर- 3/9/16